मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 7 अंक 109
गुरुवार, 31 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

एलएसी से पीछे हटी भारत-चीन की सेना, अब शुरू होगी पेट्रोलिंग

लद्दाख, 30 अक्टूबर। गलवान क्षेत्र सहित चार बफर जोन के बारे में अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है। सूत्रों ने कहा है कि कोर कमांडर स्तर पर चर्चा बफर जोन में गश्त फिर से करने की संभावना पर फैसला करेगी। जो देपसांग और डेमचोक क्षेत्र में गश्त की सफल शुरूआत के बाद होगी। दोनों देशों के स्थानीय सैन्य कमांडर दिन के लिए नियोजित कार्यों का समन्वय करने के लिए प्रत्येक सुबह हॉटलाइन पर बातचीत में लगे हुए हैं।

पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक इलाकों में भारतीय और चीनी सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी हो गई। भारतीय सेना और चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी दोनों ही वर्तमान में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास संवेदशील क्षेत्रों में कर्मियों की वापसी और सैन्य बुनियादी ढांचे को खत्म करने की पुष्टि कर रही है। हालांकि इसे वेरिफाई किया जाएगा और ये संयुक्त रूप से होगा। जिसमें ये पुष्टि करना शामिल है कि सहमत शर्तों के मुताबिक पदों को खाली कर दिया गया है और प्रतिष्ठानों को हटा दिया गया है। सूत्रों ने कहा है कि वर्तमान में विश्वास के आधार पर काम किया जा रहा है। गलवान क्षेत्र सहित चार बफर जोन के बारे में अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है। सूत्रों ने कहा है कि कोर कमांडर स्तर पर चर्चा बफर जोन में गश्त फिर से करने की संभावना पर फैसला करेगी। जो देपसांग और डेमचोक क्षेत्र में गश्त की सफल शुरूआत के बाद होगी। दोनों देशों के स्थानीय सैन्य कमांडर दिन के लिए नियोजित कार्यों का समन्वय करने के लिए प्रत्येक सुबह हॉटलाइन पर बातचीत में लगे हुए हैं।

प्रोटोकॉल की समीक्षा और सरेखन के लिए प्रतिदिन एक या दो बार निर्देशित बिंदु पर बैठके भी कर रहे हैं। इससे जुड़ा हुआ बड़ा अपडेट जयशंकर के बयान के जरिए आया था। जिसमें 27 अक्टूबर को उन्होंने कहा था कि भारत और चीन जल्द ही लद्दाख की वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त फिर से शुरू करेंगे, जो अप्रैल 2020 में सीमा गतिरोध शुरू होने के पहले की व्यवस्था को बहाल करेगा। जयशंकर ने पुणे में एक कार्यक्रम में कहा था कि सैनिकों के पीछे हटने का) 21 अक्टूबर को जो समझौता हुआ, उसके तहत देपसांग और डेमचोक में गश्त की जाएगी। इससे अब हम अगले कदम पर विचार कर सकेंगे। ऐसा नहीं है कि सबकुछ हल हो गया है, लेकिन सैनिकों के पीछे हटने का पहला चरण है और हम उस स्तर तक पहुंचने में सफल रहे हैं।

अप्रैल 2020 से पहले जब पट्रोलिंग होती थी, तब ऐसा नहीं होता था। इसलिए तब फेसऑफ भी होते थे। अब फेसऑफ से बचने के लिए यह किया गया है। पट्रोलिंग पर कितने सैनिक जाएंगे, इस सवाल पर सूत्रों ने बताया कि आम तौर पर 10 से 25 सैनिक जाते हैं। जब पट्रोलिंग ज्यादा दूरी की होती है तो करीब 25 सैनिक होते हैं और जब कम दूरी की होती है तो 10 से 15 सैनिक उसमें होते हैं। दोनों देशों के सैनिक उन सभी जगहों पर पट्रोलिंग कर सकेंगे जहां अप्रैल 2020 से पहले करते रहे हैं। इसके साथ ही देपसांग और डेमचॉक में अप्रैल 2020 से पहले वाली स्थिति की बहाली हो जाएगी।

अखाड़ा परिषद महाकुंभ में गैर सनातनियों को दुकान नहीं लगाने देगा

लखनऊ, 30 अक्टूबर। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने खाने-पीने के सामन में थूके और मानव अपशिष्ट मिलाने की घटनाओं से चिंतित होकर फैसला लिया है कि महाकुम्भ में गैर सनातनियों को दुकान नहीं लगाने देगा। प्रयागराज में अपने आश्रम क निरीक्षण करने पहुंचे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने कहा कि लोग खाने-पीने में बहुत कुछ मिलाकर बेचते हैं। जिससे धर्म भ्रष्ट होता है। उन्होंने कहा कि ऐसा होने पर इसकी जानकारी होगी तो महाकुम्भ में आए अन्य श्रद्धालु भड़क सकते हैं। जिससे बड़ा विरोध होगा और आस्था के इस पर्व पर दाग लगेगा। उन्होंने कहा कि परिषद नहीं चाहती कि मेले में किसी प्रकार का विवाद हो। ऐसे में परिषद इसका प्रस्ताव पास कर शासन व प्रशासन को देगा। जिससे इन लोगों को दुकानें ही आवंटित न हो।

प्रयागराज पधारे महंत रविंद्रपुरी ने मौजगिरि आश्रम का निरीक्षण किया। यहां पर तीन नवंबर को जूना अखाड़े के संत नगर प्रवेश के साथ आ जाएंगे। ऐसे में संतों को क्या जरूरत है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद इसमें क्या मदद कर सकता है। इसके इंतजाम को देखा। इस दौरान उनके साथ जूना अखाड़े के अध्यक्ष महंत प्रेम गिरि मौजूद रहे।

उधर, महाकुम्भ 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 29 अक्टूबर से शुरू हो गई है। पहले दिन 30 लोगों ने वेबसाइट पर आवेदन कर दिए थे। कुछ आवेदन ऑफलाइन भी आए हैं, जिसे ऑनलाइन किया जाएगा। महाकुंभ के लिए पहली बार सभी आवेदन ऑनलाइन ही स्वीकार किए जा रहे हैं। आवेदन की प्रक्रिया 12 नवंबर तक चलेगी। इस बीच जमीन की लेबलिंग का काम तेजी के साथ किया जाएगा।

शुभकामना

दीपावली के शुभ अवसर पर सभी शुभचिंतकों, पाठकगण, विज्ञापनदाताओं व संवाददाताओं को हार्दिक शुभकामनाएं।
-संपादक

अवकाश सूचना

दीपावली के पावन अवसर पर समाचार पत्र का प्रकाशन बंद रहेगा। अगला अंक एक दिन बाद प्रकाशित होगा।
-संपादक

दिल्ली में पटाखा बैन पर बोले केजरीवाल, यह हिंदू-मुस्लिम की बात नहीं, सभी के लिए सांस जरूरी

नईदिल्ली, 30 अक्टूबर। दिवाली के दौरान दिल्ली में आतिशबाजी पर जारी प्रतिबंध के मद्देनजर आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दोहराया कि यह प्रतिबंध धर्म का मामला नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक प्रयास है। एक संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दिवाली मूलतः प्रकाश का उत्सव है और आतिशबाजी से होने वाले प्रदूषण का नकारात्मक प्रभाव स्थायी होता है, खासकर बच्चों पर।

केजरीवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट भी कह रहे हैं कि प्रदूषण को देखते हुए हमें पटाखे नहीं जलाने चाहिए, हमें दीये जलाने चाहिए। यह पटाखों का नहीं बल्कि रोशनी का त्योहार है। ऐसा नहीं है कि हम किसी पर एहसान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी प्रदूषण होगा, उसका खामियाजा हमारे बच्चों को भुगतना पड़ेगा, इसलिए इसमें हिंदू-मुसलमान जैसा कुछ नहीं है। सबकी जान जरूरी है। अरविंद केजरीवाल ने यह भी कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने अक्टूबर महीने के अंत से पहले सभी सफाई कर्मचारियों को वेतन और दिवाली बोनस भेज दिया है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के सफाईकर्मियों के लिए खुशखबरी है। भाजपा के समय सफाईकर्मियों को अपनी सैलरी के लिये धरना प्रदर्शन करना पड़ता था, 6-6 महीने तनख़्वाह नहीं मिलती थी। लेकिन दो साल में एक भी बार ऐसा नहीं हुआ कि सफाईकर्मियों को समय पर सैलरी ना मिली हो। उन्होंने कहा कि अब आप सरकार में सफाईकर्मियों को महीने के पहले हफ़्ते में ही तनख़्वाह मिल जाती है। उन्होंने कहा कि एमसीडी की आप सरकार ने नवंबर में 64,000 सफाई कर्मियों के खाते में नवंबर की सैलरी डाल दी है जो कि 7 तक मिलनी थी। एमसीडी ने कुल 23 करोड़ रुपये का डिस्काउंट दिया। अब सभी सफाई कर्मी अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी मना सकते हैं।

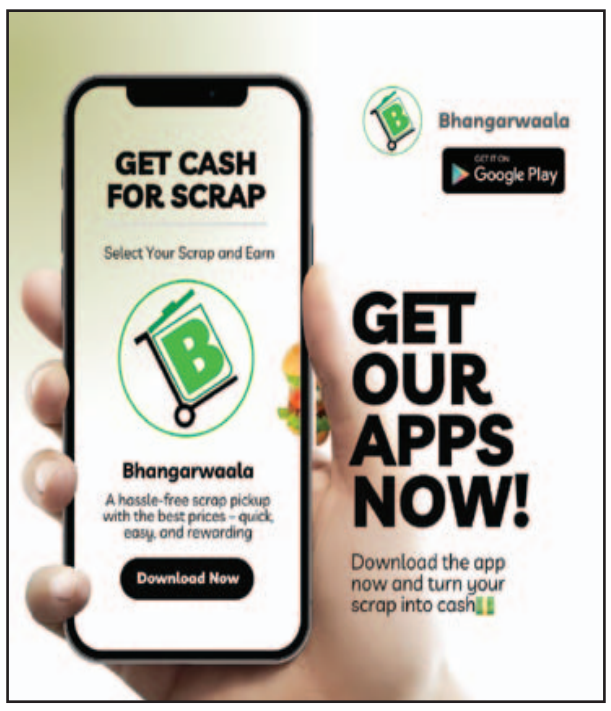

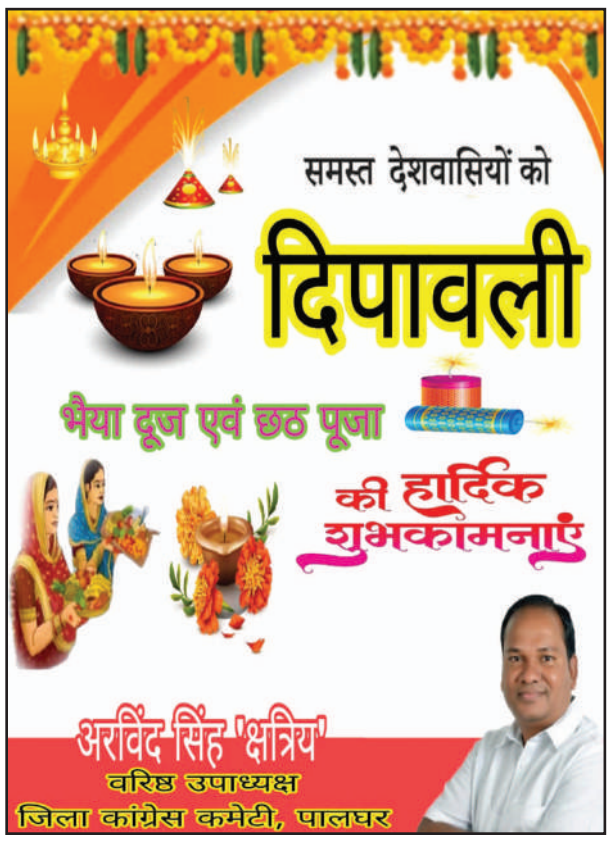

भारत के लौह पुरुष थे सरदार पटेल

-रमेश सर्राफ धमोरा

सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है। महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी। देश के वो पहले गृहमंत्री गृहमंत्री थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आई.सी.एस.) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आई.ए.एस.) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतः नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था। सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षो में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निमार्ता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा। सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के करांची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया। अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते। सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा। जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं। सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया जो उन्हे बहुत पहले मिलना चाहिये था। वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) को देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर उनको सम्मनित किया है।

अमेरिकी चुनाव में भारतीय फैक्टर का क्या असर होगा?

अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है। देश के 50 राज्यों के मतदाता मतदान के जरिए अगले चार साल के लिए राष्ट्रपति चुनेंगे। 5 नवंबर को होने वाले चुनाव में मतदाता अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के सदस्यों के लिए भी मतदान करेंगे। कांग्रेस सदस्य कानूनों को पारित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। यह मुकाबला मौजूदा उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप के बीच होना है। इस चुनाव में जीतने वाला व्यक्ति व्हाइट हाउस से देश का नेतृत्व करेगा। राष्ट्रपति का कार्यकाल जनवरी 2025 से शुरू होकर चार साल चलेगा। राष्ट्रपति के पास कुछ कानून स्वयं पारित करने की शक्ति है, लेकिन अधिकांशतः उन्हें कानून पारित करने के लिए संसद के साथ मिलकर काम करना पड़ता है।

अमेरिकी मीडिया की मानें तो इस बार इन चुनावों में इंडिया फैक्टर छाया हुआ है। जीते कोई भी पर व्हाइट हाउस में भारतीय मूल का दाखिला तय है। अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के नेताओं के प्रभाव पर जो चर्चा अमेरिका में आज चल रही है, उम्मीद है कि वह अगले कुछ दशकों तक चलेगी। अमेरिका में इंडिया इम्पैक्ट, इंडिया फैक्टर संबंधी यह चर्चा उनकी जीत के बाद और आगे भी होती रहेगी कि अमेरिकी राजनीति में भारतीयों का साफ दिखता असर पर्याप्त तेजी से बढ़ रहा है, वह आगे क्या रंग लाएगा। फिलहाल, यह तो तय है कि अगर ट्रंप जीतते हैं तो उप राष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी के रूप में भारतीय मूल की उषा वेंस व्हाइट हाउस में रहेंगी और अगर उपराष्ट्रपति बनने वाली पहली भारतीय मूल की महिला कमला हैरिस चुनाव में जीत हासिल करती हैं, तो वे भी राष्ट्रपति भवन में भारतीय मूल का प्रतिनिधित्व करेंगी। सबब यह कि व्हाइट हाउस में किसी भारतीय अमेरिकी का पहुंचना तय है। अमेरिका के सेंसस ब्यूरो के मुताबिक 2020 में भारतीय मूल के अमेरिकियों की संख्या ४४ लाख से ज्यादा और २०२३ में ४८ लाख थी, जबकि अन्य स्रोत कहते हैं कि यह संख्या इस साल ५२ लाख पार कर चुकी है, जिसमें से २६ लाख से ज्यादा मतदाता हैं। भारतीय मूल के मतदाता कुल अमेरिकी मतदाता के करीब डेढ़ फीसदी ही हैं, लेकिन ये एक महत्वपूर्ण वोटिंग ब्लॉक हैं। विश्लेषक कहते हैं कि यहां के चुनावी गणित के अनुसार इतने मतदाता बहुत महत्व रखते हैं। इन्हीं के चलते भारतीय अमेरिकी समुदाय का असर सीनेट चुनावों में बढ़ा है। इस चुनाव के नतीजों पर भारतीय अमेरिकियों का असर साफ दिखेगा।

लेकिन यह तय है कि इस बार अमेरिका की अगुवाई कौन करेगा- ये तय करने में वहां रहने वाले भारतीय मूल के लोग अहम भूमिका निभाने वाले हैं। इसे इस तरह समझा जा सकता है- हाल में आए द न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएना कॉलेज के एक सर्वे में डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस को बराबर वोट मिलने की भविष्यवाणी की गई है। ऐसे में अगर अमेरिका में रह रहे डेढ़ फीसदी भारतीय मूल के वोटरों ने एकतरफा वोट कर दिया तो किसी का भी खेल बन या बिगाड़ सकता है? भारतीय अमेरिकी यहां की राजनीति में इसलिए अधिक प्रभावी हैं क्योंकि भारतीय मूल के लोगों को प्रवासियों के बीच में सबसे ज्यादा शिक्षित और प्रभावशाली समझा जाता है। इनका व्यावसायिक और सामाजिक दायरा भी विस्तृत है। वॉशिंगटन में भारतीय अमेरिकियों की कुल आबादी का मात्र 2 फीसदी है, लेकिन राजनीति और प्रशासन में भारतीय अमेरिकी 5 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी है। भारतीय अमेरिकियों की औसत घरेलू आय लगभग 1.53.000 अमेरिकी डॉलर है, यह कमाई दूसरे समुदायों की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा है। निःसंदेह यह संपन्न समुदाय पार्टियों को चंदा देने तथा राजनीतिक सक्रियता में भी आगे है। दक्षिण एशियाई देशों के यथा पाकिस्तान, बांग्लादेश वगैरह के मतदाताओं पर भी भारतीय मतदाताओं के रुझान का असर होता है। उनके झुकाव का आंशिक ही सही पर अफ्रीकी, हिस्पैनिक, चीनी मतदाताओं पर भी असर पड़ता है। कुल मिलाकर भारतीय मतदाता अमेरिकी राजनीति और वहां के चुनावों को अब इस स्तर पर प्रभावित कर रहे हैं, जो महज सैद्धांतिक और आंकड़ों तक ही सीमित नहीं, बल्कि व्यावहारिक स्तर पर दिखने लगा है और कई महत्वपूर्ण तथा बड़े राज्यों में उनकी पकड़ से साफ नजर आने लगा है, वे परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं। आखिर लोकतंत्र कहीं का भी हो, चुनाव प्रक्रिया में भले ही कुछ अंतर हो, प्रणाली में परिवर्तन हों लेकिन अंततः लोकतंत्र संख्याओं का ही खेल है। कमला हैरिस के भारत कनेक्शन को आगे कर डेमोक्रेट भारतीय मूल के वोटरों को जोड़ने में लगे हैं तो ट्रंप भी अपने साथ विवेक रामास्वामी और निक्की हेली को खड़ा दिखा रहे हैं, जिनकी जड़ें भारत से जुड़ी हैं। ट्रंप ने सीनेटर जेडी वेंस को उप-राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया है- जिनकी पत्नी उषा वेंस का भारत से कनेक्शन है। लेकिन, डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस दोनों अच्छी तरह जानते हैं कि भारतीय मूल के अमेरिकियों का वोट हासिल करने के लिए सिर्फ सांकेतिक भारत कनेक्शन काफी नहीं है- वहां रहने वाले भारतीय अमेरिकियों की बुनियादी चिंताओं को दूर करना भी जरूरी है पिछली बार अमेरिकी भारतीयों ने 71 फीसद मतदान किया इस बार 96 प्रतिशत मतदाता मत देने की बात कह रहे हैं।

अमेरिका में भारतीयों की संख्या ही नहीं सक्रियता भी बढ़ी है। २०१५ में रिपब्लिकन हिंदू कोअलिशन या आरएचसी गठित हुई तो 2016 में इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट। बाद में ऐसे ही कुछ और संगठन बने जो भारतीय मूल के अमेरिकी नेताओं के लिए सर्वे, पार्टी के लिए वालंटियर्स बनाने, चुनावी रणनीति बनाने, प्रचार में मदद करने, भारतीय अमेरिकी मतदाताओं को वोट डालने के लिए प्रेरित करने लगे हैं सबसे बड़ी बात यह कि वे इन नेताओं के लिए चुनावी फंड भी जुटाते के आलावा भारत से कलाकार बुलाकर इस वर्ग को आकर्षित करना हो या अपने झुकाव के अनुसार, रिपब्लिकन अथवा डेमोक्रेट के नेताओं का कार्यक्रम कराकर अपने मतदाताओं को प्रभावित करना हो, ये बड़े जोर-शोर से कर रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी ने दक्षिण एशियाई मतदाताओं का समर्थन पाने के लिए इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट जैसी संगठनों की भारी मदद ली है, इस बार ह्यलोटस फॉर पोटसह्य यानी अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए कमल नाम मानो कमला का नारा इन्हीं की कोशिशों से चल निकला। रिपब्लिकन हिंदू कोअलिशन पहले ट्रंप के साथ था, पर इस बार यह कमजोर है, उसके बावजूद इसके प्रभाव से इंकार नहीं किया जा सकता। कमला हैरिस के समर्थन में चित्तियों यानी चाची मौसियों से बना 250 चित्तियों की ह्यचित्ती ब्रिगेडह्य ने बहुत काम किया है।

बताया जाता है कि अमेरिकी राजनीति में अमेरिकी भारतीयों का दखल 1950 से ही था, 1957 में दिलीप सिंह सौंद रिपब्लिकन से तो तकरीबन पांच दशक बाद 2005 में बॉबी जिंदल डेमोक्रेट से अमेरिकी संसद में आए। लेकिन असली जलवा तो 2013 के बाद शुरू हुआ जब अमेरिकी राजनीति के आसमान पर कई भारतीय अमेरिकी चमके। अमी बेरा 2013 में डेमोक्रेट से कांग्रेस के लिए चुने गए और पिछले दस साल से कैलिफोर्निया के छठे डिस्ट्रिक्ट से लगातार जीतते आ रहे हैं या फिर 2017 में सांसद बनी प्रमीला जयपाल जिन्होंने अपनी सीट लगातार चार बार जीती है, इसके अलावा रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, कमला हैरिस अथवा 2023 में श्री थानेदार का अमेरिकी संसद में प्रवेश बताता है कि भारतीयों का दबदबा है और रहेगा चाहे भले ही रिपब्लिकन से ट्रंप उम्मीदवार हों, लेकिन विवेक रामास्वामी अथवा निक्की हेली का असर कहीं से कम नहीं, यही हाल डेमोक्रेट्स पार्टी में भी है। सब कुछ होने के बावजूद अमेरिकी भारतीय समुदाय का अधिकतर हिस्सा काफी नया है। इनका मात्र दशक पूर्व से अमेरिकी राजनीति में दखल बढ़ने का एक स्पष्ट कारण है। इनकी पिछली पीढ़ी ने तकनीक, मेडिसिन-वाणिज्य, व्यापार और कतिपय अन्य क्षेत्रों में अपने को सर्वश्रेष्ठ खपाकर देश में बेहतर जगह और पुख्ता पहचान बनाई, अब अगली पीढ़ी इससे आगे अमेरिका की सरकार में प्रतिनिधित्व चाहती है।

अमेरिका के राष्ट्रपति की कुर्सी पर चाहे रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप बैठे या फिर डेमोक्रेट कमला हैरिस, दोनों के लिए भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों को साथे रखना जरूरी भी है और मजबूरी भी। क्योंकि, अमेरिका की आर्थिक व्यवस्था में ये वर्ग बहुत प्रभावशाली है। डोनाल्ड ट्रंप के दौर में भी अमेरिका और भारत के रिश्ते बेहतर रहे और राष्ट्रपति बाइडन ने भी भारत के साथ बेहतर रिश्ता बना कर चलने में अपने मुल्क की बेहतरी समझी। अगर डेमोक्रेट कमला हैरिस व्हाइट हाउस पहुंचने में कामयाब रहीं तो उनके सामने भी बाइडन प्रशासन की नीतियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी। ऐसे में उनके मौजूदा कूटनीतिक ट्रैक से इधर-उधर होने के चांस कम हैं। डोनाल्ड ट्रंप से भी प्रधानमंत्री मोदी की केमिस्ट्री बेहतर रही है। लेकिन, बड़ी चिंता इस बात की है कि दुनिया में चल रहे तनाव और युद्ध को कम करने में अमेरिका के नए राष्ट्रपति की भूमिका कैसी रहेगी? वो दुनिया में युद्ध की आग को और भड़काने या बुझाने में भूमिका निभाएगा।

भारतीय भी अमेरिका में होने वाली घटना चक्र को ध्यान से देख रहे है। हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पुणे में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए, कहा था कि अमेरिकी चुनाव में हमारे लिए दोनों नेता (कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप) अच्छे हैं। अगर हम इतिहास देखें तो 2000 में अटल जी की सरकार के दौरान बिल क्लिंटन भारत आए थे। यह पहली बार था जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत के बारे में अपना रुख स्पष्ट किया। तब तक सभी अमेरिकी राष्ट्रपति भारत और पाकिस्तान के साथ समान व्यवहार करते थे। यह उनकी बुरी आदत थी। पिछले सभी 5 अमेरिकी राष्ट्रपति व्यक्तित्व में अलग थे। आज हमारा दृष्टिकोण बिल्कुल अलग है। अमेरिकी राष्ट्रपति सोचते हैं कि हमें भारत को प्राथमिकता देनी चाहिए। मुझे लगता है कि इसके पीछे दो मजबूत कारक हैं। एक है तकनीक। यह एआई का युग है, जिसका हम दोनों फायदा उठा सकते हैं। भारत के पास अपनी मानव पूंजी है। ये जोड़ी आपसी लाभ के साथ चल सकती है। वैश्विक रणनीति में भारत और अमेरिका का हित एक जैसा है। अगर कोई समस्या आती है तो हमें उसका विश्लेषण करना होगा। भारत-अमेरिका मैत्री और बढ़ेगी।

भौतिक ही नहीं, आध्यात्मिक रोशनी का पर्व है दीपावली

-ललित गर्ग

दीपावली एक समृद्धि, खुशहाली एवं रोशनी का लौकिक पर्व है। यह जितना भौतिक पर्व है, उतना ही आध्यात्मिक पर्व भी है, इसलिये यह केवल बाहरी अंधकार को ही नहीं, बल्कि भीतरी अंधकार को मिटाने का पर्व भी बने। हम भीतर में धर्म का दीप जलाकर मोह और मूर्च्छा के अंधकार को दूर कर सकते हैं। दीपावली के मौके पर सभी आमतौर से अपने घरों की साफ-सफाई, साज-सज्जा और उसे संवारने-निखारने का प्रयास करते हैं। उसी प्रकार अगर भीतर चेतना के आँगन पर जमे कर्म के कचरे को बुहारकर साफ किया जाए, उसे संयम से सजाने-संवारने का प्रयास किया जाए और उसमें आत्मा रूपी दीपक की अखंड ज्योति को प्रज्वलित कर दिया जाए तो मनुष्य शाश्वत सुख, शांति एवं आनंद को प्राप्त हो सकता है।

दीपावली का सम्पूर्ण पर्व एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक प्रकार की गति है। एक सत्य से दूसरे सत्य की ओर अनवरत, अनिरुद्ध गति ही दीपावली की जीवंतता है। जीवन के अनेक अनुभवों का समवाय है दीपावली। एक अनुभूति से दूसरी अनुभूति तक की यात्रा में जो दीपावली के विलक्षण एवं अद्भुत क्षणों की गति है, वही जीवन की वास्तविकता है। जीवन एक यात्रा है, सतत यात्रा। ठीक इसी तरह दीपावली भी एक यात्रा है, एक प्रस्थान है, कुछ नया पाने की, अनूठा करने की। समय बह रहा है, जीवन बीत रहा है। वर्ष पर वर्ष, माह पर माह, दिन पर दिन एवं पलों पर पल बीत रहे हैं, सांसों के घट रीत रहे हैं। इन घटती सांसों को अर्थपूर्ण बनाने, सम्पूर्णता से जी लेने एवं उपयोगी करने का पर्व है दीपावली। वृक्ष भी जीते हैं, पशु-पक्षी भी जीते हैं, परंतु वास्तविक जीवन वे ही जीते हैं, जिनका मन मनन का उपजीवी हो। मननशीलता की संपदा मानव को सहज उपलब्ध है। अपेक्षा है उसका सम्यक उपयोग और विकास कर जीवन को सार्थक दिशा प्रदान करें। उजालों का स्वागत करें।

दीपावली की रात भारत भूमि पर आसमान उतर आता है। ज्यों आकाश में तारे टिमटिमाते हैं, सो उस रात धरा पर दिए टिमटिमाते हैं। चांद से रीती इस रात का हर पक्ष उजला है। अमावस कहकर कोई याद नहीं रखता इसे। इसमें इतना उजास जो है। कहते हैं सूनी राह पर, अकेले द्वार पर, कुएं की तन्हा मेड़ पर और उजाड़ तक में दीप रखने चाहिए। कोई भूले-भटके भी कहीं किसी राह पर निकले, तो उसे अंधेरा न मिले। इस रात हरेक के लिए उजाले जुटा दिए जाते हैं। अब उजालों के इस अपूर्व एवं अलौकिक पर्व की जगर-मगर में दीपों की माटी कम और लट्टुओं वाली बिजली एवं पटाखों का प्रदूषण अधिक है। वक्त के साथ खुशियों का अहसास तो नहीं बदलता, पर उसकी आमद के जरिए अलग हो जाते हैं। दीपावली पर रोशनी का परचम बुलंद किए हौसलेमंद दिए ज्यों तम के सामने डट जाते हैं, वह एक कालजयी ऐलान है विजय का। इस विजय को पाने एवं मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता। एक बार अंधकार ने ब्रह्माजी से शिकायत की कि सूरज मेरा पीछा करता है। वह मुझे मिटा देना चाहता है। ब्रह्माजी ने इस बारे में सूरज को बोला तो सूरज ने कहा-मैं अंधकार को जानता तक नहीं, मिटाने की बात तो दूर, आप पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करें। मैं उसकी शक्ल-सूरत देखना चाहता हूँ। ब्रह्माजी ने उसे सूरज के सामने आने के लिए कहा तो अंधकार बोला-मैं उसके पास कैसे आ सकता हूँ? अगर आ गया तो मेरा अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

जीवन का वास्तविक उजाला लिबास नहीं है, भोजन नहीं है, भाषा नहीं है और उसकी साधन-सुविधाएं भी नहीं हैं। वास्तविक उजाला तो मनुष्य में व्याप्त उसके आत्मिक गुणों क महक ही है, जो मानवीय बनाते हैं, जिन्हें संवेदना और करुणा के रूप में, दया, सेवा-भावना, परोपकार के रूप में हम देखते हैं। असल में यही गुणवत्ता उजालों की बुनियाद है, नींव हैं जिसपर खड़े होकर मनुष्य अपने जीवन को सार्थक बनाता है। जिनमें इन गुणों की उपस्थिति होती है उनकी गरिमा चिरंजीवी रहती है। समाज में उजाला फैलाने के लिये इंसान के अंदर इंसानियत होना जरूरी है। जिस तरह दीप से दीप जलता है, वैसे ही प्यार देने से प्यार बढ़ता है और समाज में प्यार और इंसानियत रूपी उजालों की आज बहुत जरूरत है।

दीपों की कतारें दीपावली का शाब्दिक अर्थ ही नहीं, वास्तविक अर्थ है। कतारों के लिए निरंतरता जरूरी है। और निरंतरता के लिए नपा-तुला क्रम। दीप जब कतार में होते हैं, तो आनंद का सूचक बन जाते हैं। जैसे कोई मूक उत्सव हो- जगर-मगर उजाले का। उजालों की पंक्तियां उल्लास का द्योतक हैं। दीप होते ही प्रेरक हैं। एक बाती, अंजुरी-भर तेल और राह-भर प्रकाश। जितना सादा दीपावली का दीपक होता है, उससे सादा कुछ नहीं हो सकता। माटी ने ज्यों पक-जमकर, बाती के बीज से ज्योत पल्लवित की हो। यह विजय पताका कार्तिक अमावस्या के अंधेरे की पूरी रात दूर रखती है। दीपावली की रात को हर दीप रोशनी की लहर बनाता है, उजालों के समन्दर में अपना योगदान देता है।

शेक्सपियर की चर्चित पंक्ति है- ह्यअगर रोशनी पवित्रता का जीवन रक्त है तो विश्व को रोशनीमय कर दो/ जगमगा दो और इसे जी-भरकर बाहुल्यता से प्राप्त करोह्ल शेक्सपियर ने यह पंक्ति चाहे जिस संदर्भ में कही हो, पर इसका उद्देश्य निश्चित ही पवित्र था और अनेक अर्थों को लिए हुए यह उक्ति सचमुच में जीवन व्यवहार की स्पष्टता के अधिक नजदीक है। दीपावली का पर्व और उससे जुड़े रोशनी के दर्शन का भी यह उद्घोष है। रोशनी! उत्सव का प्रतीक, खुशी के इजहार करने का प्रतीक है, सफलता का प्रतीत है। अगर हम इस सोच को गहराई में डुबो लें तो ये सूक्तियां हमारे जीवन की रक्त धमनियां बन सकती हैं और उससे उत्तम व्यवहार की रश्मियां प्रस्फुटित हो सकती है। उन रश्मियों की निष्पत्तियां के स्वर होंगे- ह्वसदा दीपावली संत की आठों पहर आनन्दह्ल, ह्वघट-घट दीप जलेह्ल, ह्वदीये की लौ सूरज से मिल जायेह्ल।

जीवन के ह्रास और विकास के संवादी सूत्र हैं- अंधकार और प्रकाश। अंधकार स्वभाव नहीं, विभाव है। वह प्रतीक है हमारी वैयक्तिक दुर्बलताओं का, अपाहिज सपनों और संकल्पों का। निराश, निष्क्रिय, निरुद्देश्य जीवन शैली का। स्वीकृत अर्थशून्य सोच का। जीवन मूल्यों के प्रति टूटती निष्ठा का। विधायक चिन्तन, कर्म और आचरण के अभाव का। अब तक उजालों ने ही मनुष्य को अंधेरों से मुक्ति दी है, इन्हीं उजालों के बल पर उसने ज्ञान को अनुभूत किया अर्थात सिद्धांत को व्यावहारिक जीवन में उतारा। यही कारण है कि उसकी हस्ति आजतक नहीं मिटी। उसकी दृष्टि में गुण कोरा ज्ञान नहीं है, गुण कोरा आचरण नहीं है। दोनों का समन्वय है। जिसकी कथनी और करनी में अंतर नहीं होता वही समाज में आदर के योग बनता है।

हम उजालों की वास्तविक पहचान करें, अपने आप को टटोलें, अपने भीतर के काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर आदि कषायों को दूर करें और उसी मार्ग पर चलें जो मानवता का मार्ग है। हमें समझ लेना चाहिए कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ है, वह बार-बार नहीं मिलता। समाज उसी को पूजता है जो अपने लिए नहीं दूसरों के लिए जीता है। इसी से गोस्वामी तुलसीदासजी ने कहा है-ह्यपरहित सरिस धरम नहीं भाईह्ल। स्मरण रहे कि यही उजालों को नमन है और यही उजाला हमारी जीवन की सार्थकता है। जो सच है, जो सही है उसे सिर्फ आंख मूंदकर मान नहीं लेना चाहिए। खुली आंखों से देखना एवं परखना भी चाहिए। प्रमाद टूटता है तब व्यक्ति में प्रतिरोधात्मक शक्ति जागती है। वह बुराइयों को विराम देता है।

करहल में मुलायम कुनबे को एक साथ मिलेगी जीत की खुशी और हार का गम

उत्तर प्रदेश के जिला मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिये बिसात बिछ गई है। यूपी में नौ सीटों पर उपचुनाव हो रहा है,लेकिन सबसे अधिक चर्चा करहल विधान सभा सीट की ही हो रही है। यहां बीजेपी और समाजवादी पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला होने के आसार नजर आ रहे हैं,लेकिन मैदान में बसपा का उम्मीदवार भी ताल ठोंक रहा है। मगर सबसे रोचक यह है कि यहां हारेगा भी मुलायम परिवार का नेता और जीतेगा भी मुलायम के घर का लीडर। इस सीट पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने भतीजे पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव को मैदान में उतारा गया है जिनको भाजपा के प्रत्याशी और अपने फूफा यानी चाचा धर्मेंद्र यादव के सगे बहनोई अनुजेश यादव से चुनाव के मैदान में टक्कर मिल रही हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव 2022 में यहां से विधायक चुने गये थे और 2024 में सांसद बनने के बाद अखिलेश ने इस सीट को छोड़ दिया था। ऐसे में उनकी प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। बीजेपी मिल्कीपुर विधानसभा सीट के बाद इस सीट को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हैं। वहीं चुनावी दंगल में अखिलेश यादव भी खूब पसीना बहा रहे हैं। नामांकन में तेज प्रताप के साथ मौजूद रहकर उन्होंने समर्थकों को संदेश दिया था और इसके बाद स्थानीय नेताओं को लगातार निर्देश भी दे रहे हैं। करहल विधानसभा सीट की बात की जाये तो मैनपुरी जिले में आने वाली इस सीट को सपा नेता अपनी पुश्तैनी सीट बताते हैं। वैसे भी यह इलाका मुलायम परिवार का गढ़ माना जाता है। इस सीट ही नहीं आसपास की कई लोकसभा और विधानसभा सीट पर भी सपा का लंबे समय से वर्चस्व चला आ रहा है। वर्ष 1993 से अब तक सपा कहरल सीट पर केवल एक बार पराजित हुई है। बीते चार चुनावों से तो सपा के प्रत्याशी लगातार जीत रहे हैं। अखिलेश यादव ने 2022 के विधान सभा चुनाव में यहां 67 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से बड़ी जीत हासिल की थी।कुछ माह पूर्व हुए लोकसभा चुनाव में कन्नौज का सांसद बनने के बाद अखिलेश यादव ने इस सीट से त्यागपत्र दिया था, जिसके बाद अब यहां उपचुनाव हो रहा है। सपा प्रत्याशी की बात की जाये तो तेज प्रताप यादव इससे पहले वर्ष 2014 में मैनपुरी लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में लड़े थे और सांसद बने थे। उनके मैदान में उतरने के बाद अखिलेश यादव सहित पूरे सैफई परिवार की प्रतिष्ठा इस चुनाव से जुड़ गई है। उधर, यादव बाहुल्य इस सीट को जीतने के लिये भाजपा ने भी पूरी ताकत झोंक रखी है। करहल सीट पर जीत हासिल कर बीजेपी लोकसभा चुनाव में सपा से मिली हार का हिसाब बराबर करना चाहती है। इसके साथ ही भाजपा ने सैफई परिवार के रिश्तेदार अनुजेश यादव को प्रत्याशी बनाकर सबको चौंका दिया है। बता दें अनुजेश यादव की मां उर्मिला यादव घिरोर विधानसभा सीट से दो बार विधायक रह चुकी हैं। यह क्षेत्र वर्तमान में करहल विधानसभा सीट के अंदर आता है। अनुजेश यादव की पत्नी संध्या यादव (सपा सांसद धर्मेंद्र यादव की बहन) मैनपुरी की जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं। ऐसे में यदि बीजेपी अनुजेश की जीत की उम्मीद लगा रही है तो इसे सपा हल्के में नहीं ले रही है,परंतु इतना तय है कि मुलायम कुनबे से दो प्रत्याशियों की चुनाव में प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। कुल मिलाकर बीजेपी ने सपा के सामने वह स्थिति खड़ी कर दी है जिसमें सपा को अपनी जीत की खुशी और बीजेपी की हार का गम दोनों मनाना पड़ेगा।

त्रेता की पहली दीपावली जैसी अयोध्या का दीपपर्व

उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि यह दीपोत्सव दुनिया में नया कीर्तिमान बनाने जा रहा है। उत्तर प्रदेश में जब से योगी सरकार आई है, तब से हर दीपावली को अयोध्या के घाट दीपों से सजाए जा रहे हैं। इस लिहाज से देखें तो यह योगी सरकार के दीपोत्सव का आठवां संस्करण है।

त्रेता युग में लंका विजय के बाद अपने राम को देख अयोध्या निहाल हो गई थी। चौदह वर्ष के वनवास के बाद सरयू के तीर पर अपने राम के स्वागत में अयोध्या ने खुद को प्रकाशमान करने की जो परंपरा डाली, आज पूरी दुनिया उसे दीपावली के नाम से जानती है। अयोध्या की इस बार की दीपावली त्रेता युग की पहली दीपावली जैसी ही है। अयोध्या के पावन मंदिर में रामलला की स्थापना के बाद दीपों का पहला त्योहार आया है। राम की वापसी के बाद अयोध्या इस बार त्रेता युग की ही तरह निहाल होने जा रही है। सरयू के तीर पर स्थित पचपन घाटों पर 28 लाख से ज्यादा दीपों के जरिए अयोध्या अपने राम का स्वागत करने जा रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि यह दीपोत्सव दुनिया में नया कीर्तिमान बनाने जा रहा है। उत्तर प्रदेश में जब से योगी सरकार आई है, तब से हर दीपावली को अयोध्या के घाट दीपों से सजाए जा रहे हैं। इस लिहाज से देखें तो यह योगी सरकार के दीपोत्सव का आठवां संस्करण है। जिसके प्रबंधन का दायित्व बाकायदा अयोध्या के ही डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रतिभा गोयल को दिया गया है। जो 30 हजार वालंटियर्स के सहयोग से 28 लाख से अधिक दीयों को प्रज्वलित करने की तैयारी में हैं। दीपोत्सव के रिकॉर्ड को जांचने के लिए अयोध्या में मंगलवार यानी 29 अक्टूबर को ही गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम के कंसल्टेंट निश्चल बरोट अपने 30 सहयोगियों के साथ पहुंच गए। दीपों के जलाते वक्त तेल बाहर ना गिरे, इसका सावधानी पूर्वक ध्यान रखने के लिए वालंटियरों को कहा गया है। 30 अक्टूबर के दिन दीपोत्सव के दीयों में तेल डालने के लिए एक-एक लीटर के सरसों तेल की बोतलें दी जा रही हैं। हर दीप में सावधानीपूर्वक तेल डालने के लिए विशेष तौर पर दिशा-निर्देश दिए गए हैं। घाट पर तेल न गिरे, इसका विशेष ध्यान रखा जायेगा।

त्रेता युग में राम के स्वागत में पूरी अयोध्या दीपों से जगमगा उठी थी। इसके बाद से ही हर साल कार्तिक महीने की अमावस्या को पूरा सनातन समाज, उसके घर, उसकी झोपड़ियां, उसके ठीये, उसके पशुओं की नाद, उसके कुएं के चबूतरे, तुलसी के चबूतरे, मंदिरों के दरवाजे राम के स्वागत में दीपों से सजाता रहा है। सनातन समाज की हर गली, हर हर रास्ता, हर अंधियारा कोना इस दिन प्रकाश की रेखाओं से जैसे खिल उठता है। इस परंपरा में समूची अयोध्या भी इस दीपावली को इसी अंदाज में सजेगी, लेकिन योगी सरकार की डाली परंपरा के अनुसार सरयू के 55 घाट अलग ही अंदाज में नजर आएंगे। चूंकि अयोध्या के मंदिर में रामलला की स्थापना के बाद की यह पहली दीपावली है, इसलिए सरयू के घाट इस बार 28 लाख दीयों के साथ अलग ढंग से सज रहे है, जिनसे उठी रोशनियों की लंबी लकीरें सरयू की लहरों में अप्रतिम दृश्य वितान रचने जा रही हैं।

दीपोत्सव की भव्यता विश्व पटल पर दिखे, इसके लिए सरयू नदी के दसवें नंबर के घाट पर 80 हजार दीयों के जरिए स्वास्तिक बनाया गया है। इसके जरिए दीपोत्सव की टीम पूरी दुनिया को रौशनी युक्त शुभ्रता का संदेश देने की कोशिश कर रही है। माना जा रहा है कि दीपोत्सव में यह दृश्य अद्भुत आकर्षण का केन्द्र होगा। अयोध्या के घाटों पर दीयों को सजाने और उन्हें रोशनी से जगमगाने की जिम्मेदारी 30 हजार वालंटियर को दी गयी है। घाटों को र 16 गुणा 16 दीए का ब्लाक से सजाया जा रहा है। जिनमें 256 दीए सजाये जा रहे हैं। इनमें एक वालंटियर को 85 से 90 दीए प्रज्वलित करने का लक्ष्य निर्धारित है। । दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 संत शरण मिश्र के मुताबिक, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशन में अयोध्या का जिला प्रशासन दीपोत्सव के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को यह अप्रतिम दृश्य रचने के लिए हर संभव सहयोग दे रहा है। राम नगरी के 55 घाटों पर दीयों की सुरक्षा पुलिस प्रशासन व विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मियों द्वारा की जा रही है। घाटों पर सुरक्षा सख्त कर दी गई है। बिना आई कार्ड के प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है।

यह सच है कि रोशनी के महत्व को हम तभी समझ पाते हैं, जब हमारे सामने गहन अंधकारा होता है। बेशक अपना देश वैश्विक युद्ध से बचा हुआ है। लेकिन इजरायल-फिलीस्तीन के साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध के आंच की ताप में दुनिया झुलस रही है। इसकी किंचित आंच भारत और भारतीयों तक भी पहुंच रही है। त्रेता युग में राम ने रावण वध और लंका विजय के जरिए संदेश दिया था कि शांति ही दुनिया और मानव जीवन की प्रगति का आधार है। रामलला के अपने पावन घर में आ विराजने के बाद की पहली दीपावली सिर्फ दीयों की संख्या के आधार पर ही रिकॉर्ड नहीं बनाने जा रही, बल्कि वह दुनिया को एक संदेश भी देने जा रही है। संदेश यह कि रोशनियों के सामने अंधेरे को हारना ही होता है। अयोध्या की यह दीपावली दुनिया को यह भी संदेश दे रही है कि युद्ध के अंधेरे से उसे निकलना ही होगा और मानव जीवन की प्रगति के लिए रोशनियों की लहरों पर ही सवार होना होगा।

पत्रकार वेदप्रकाश श्रीवास्तव की पत्नी के निधन पर शोक सभा

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में गत 27 सालों से नियमित प्रकाशित हिन्दी मासिक पत्रिका मीरा भायंदर दर्शन के संपादक और वरिष्ठ पत्रकार वेदप्रकाश श्रीवास्तव की पत्नी मंजू देवी का 28 अक्टूबर को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। उसकी शोक सभा 1 नवंबर (शुक्रवार) को सुबह 10.30 से 11.30 बजे तक माहेश्वरी भवन, फ्लाईओवर ब्रिज के पास, भायंदर वेस्ट में रखी गई है।

प्रत्याशियों ने नामांकन के अंतिम दिन शक्ति प्रदर्शन के साथ किया नामांकन पत्र दाखिल

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव-2024 हेतु नामांकन के अंतिम दिन मंगलवार 29 अक्टूबर 2024 को उम्मीदवारों ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। जिसमें 128 - दहानू (अ.ज.) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से कल्पेश बालू भावर (निर्दलीय), विनोद सुरेश मेढा (भारतीय जनता पार्टी), आकाश प्रताप पटेल (निर्दलीय), विनोद भिवा निकोले (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया), विनोद भिवा निकोले (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया), अरुण शंकर निकोले (बहुजन विकास आघाडी), भसरा वसंत नवशा (निर्दलीय), विजय देवजी वाढीया (महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना)

129 - विक्रमगड (अ.ज.) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से आजीनाथ बालू भावर (बहुजन समाज पार्टी), आजीनाथ बालू भावर (बहुजन समाज पार्टी), रविंद्र विलास खुताडे (निर्दलीय), भालचंद्र नवसु मोरघा (निर्दलीय), प्रकाश कृष्णा निकम (निर्दलीय), प्रविण भाऊ बोडके (निर्दलीय), विलास बारकू मेढा (भारत का क्रांतीकारी मार्क्सवादी पार्टी), शैलेश मावंजी हडबाल (निर्दलीय), भाऊ विष्णू बुधर (निर्दलीय), नितीन लहानू हाडल (निर्दलीय), हरिशचंद्र सखाराम भोये (भारतीय जनता पार्टी), हरिशचंद्र सखाराम भोये (भारतीय जनता पार्टी), एकनाथ पांडू दरोडा (बहुजन विकास आघाडी), हेमंत सखाराम खुताडे (बहुजन विकास आघाडी), रमेश शंकर तुंबडा (पिपल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिक), तुषार गंगाराम टोपले (निर्दलीय) 130 - पालघर (अ.ज.) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से अभिजीत उमापती देसक (बहुजन विकास आघाडी), मनोज भालचंद्र दांडेकर (निर्दलीय), विजया राजकुमार म्हात्रे (निर्दलीय), नम सुधीर शंकर (निर्दलीय), राजेंद्र धेडया गावित (शिवसेना), जयेंद्र किसन दुबला (शिवसेना - उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राजेंद्र धेडया गावित (शिवसेना), राजेंद्र धेडया गावित (शिवसेना), अशोक माधव भोईर (बहुजन विकास आघाडी), विजय रघुनाथ जाधव (निर्दलीय), नरेश लक्ष्मण कोरडा (महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना), अमित कृष्णा घोडा (निर्दलीय), गोपाल राजाराम कोली (लोकराज्य पार्टी)

131 - बोईसर (अ.ज.) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से पुष्पा प्रकाश धोडी (निर्दलीय), विलास सुकूर तरे (शिवसेना), दिनकर दत्तात्रेय वाढाण (निर्दलीय), राजेश रघुनाथ पाटील (बहुजन विकास आघाडी), राजेश रघुनाथ पाटील (बहुजन विकास आघाडी), प्रसाद सुरेश प?हाड (बहुजन विकास आघाडी), अजिनाथ बालू भावर (बहुजन समाज पार्टी), अजिनाथ बालू भावर (बहुजन समाज पार्टी), जगदीश भगवान धोडी (निर्दलीय), शैलेश दशरथ भुतकडे (महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना), शीतल संतोष गोवारी (वंचित बहुजन आघाडी) 132 - नालासोपारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से राजन बालकृष्ण नाईक (भारतीय जनता पार्टी), बलराम सुभेदार ठाकूर (निर्दलीय), विनोद लालू पाटील (निर्दलीय), नरसिंग रमेश आदावले (निर्दलीय), कीर्ती राज भागवत लोखंडे (निर्दलीय), धनंजय विठ्ठल गावडे (प्रहार जनशक्ती पार्टी), दिलीप दिगंबर गायकवाड (निर्दलीय), हरेश अंबो भगत (निर्दलीय), संदीप अमरनाथ पान्डेय (इंडियन नॅशनल काँग्रेस), सुरेश देवनाथ मोने (बहुजन समाज पार्टी), सुचित सुरेश गायकवाड (वंचित बहुजन आघाडी), बलराम सुबेदार ठाकूर (निर्दलीय)133 - वसई विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से प्रल्हाद राणा (निर्दलीय), राजेंद्र अजित ढगे (निर्दलीय), हितेंद्र विष्णू ठाकूर (बहुजन विकास आघाडी), हितेंद्र विष्णू ठाकूर (बहुजन विकास आघाडी), प्रविणा हितेंद्र ठाकूर (बहुजन विकास आघाडी), प्रविणा हितेंद्र ठाकूर (बहुजन विकास आघाडी), प्रविणा हितेंद्र ठाकूर (बहुजन विकास आघाडी), हितेंद्र विष्णू ठाकूर (बहुजन विकास आघाडी), हितेंद्र विष्णू ठाकूर (बहुजन विकास आघाडी), राजकुमार शोभनाथ दुबे (निर्दलीय), विजय गोविंद पाटील (भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस), विजय गोविंद पाटील (भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस), विजय गोविंद पाटील (भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस), सुशांत श्रीकांत पाटील (भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस), सुशांत श्रीकांत पाटील (भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस), भावना अशोक पोकळे (प्रहार जनशक्ती) स्नेहा प्रेमनाथ दुबे (भारतीय जनता पार्टी), स्नेहा प्रेमनाथ दुबे (भारतीय जनता पार्टी), प्रेमनाथ श्यामसुंदर दुबे (भारतीय जनता पार्टी), प्रेमनाथ श्यामसुंदर दुबे (भारतीय जनता पार्टी), गॉडफ्री जोसेफ आल्मेडा (निर्दलीय), जिमी मतेस घोन्सालवीस (भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस), विनोद विश्राम तांबे (बहुजन समाज पार्टी), विनायक श्रीधर निकम (निर्दलीय), विनोद विश्राम तांबे (बहुजन समाज पार्टी), हरिशंकर शेषनारायण जयस्वाल (राष्ट्रीय समाज पार्टी), मंगेश भिमराव प्रधाने (निर्दलीय) आदि सभी प्रत्याशियों ने शक्ति प्रदर्शन के साथ पर्चा दाखिल किया।

नथिंग ने पेश किया इंडस्ट्री का पहला को-क्रिएटेड स्मार्टफोन

मुंबई। नथिंग ने आज द कम्युनिटी एडिशन प्रोजेक्ट के अंतिम परिणामों की घोषणा की है। फोन (2a) प्लस कम्युनिटी एडिशन नथिंग का पहला को-क्रिएटेड प्रोडक्ट है। इस प्रोडक्ट को तैयार करने के लिए कंपनी के कुछ सबसे प्रतिभाशाली फॉलोअर्स ने नथिंग टीम के साथ मिलकर काम किया। हार्डवेयर से लेकर वॉलपेपर तक और पैकेजिंग से लेकर मार्केटिंग तक, यह स्मार्टफोन पूरी तरह से नथिंग की कम्युनिटी की सोच पर आधारित है।

नथिंग काम करने के एक नए तरीके की शुरूआत कर रहा है। यहां नथिंग की कोशिश है कि कंपनी और कम्युनिटी के बीच की बाधा को खत्म किया जाए। इस प्रोजेक्ट को लेकर दुनिया भर में काफी उत्साह देखने को मिला है। इस प्रोजेक्ट के लिए दुनिया के 47 देशों से 900 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। द कम्युनिटी एडिशन प्रोजेक्ट नथिंग का पहला बड़ा पायलट प्रोजेक्ट है,जिसमें कम्युनिटी के साथ मिलकर हार्डवेयर, सॉफ़्टवेयर और कंटेंट को तैयार किया गया है। एक साथ मिलकर कारोबार के भविष्य को आकार देने की दिशा में यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रोग्राम के लिए एस्ट्रिड वानहुइस और केंटा अकासाकी, एंड्रेस माटेओस, इयान हेनरी सिमंड्स और सोन्या पाल्मा को विजेता घोषित किया गया।

नरेंद्र मेहता के जीत की राह में रोड़ा बने निर्दलीय प्रत्याशी

शिवपूजन पांडे, वरिष्ठ पत्रकार

भायंदर। महाराष्ट्र में चुनावी बिगुल बजाने के साथ-साथ मीरा भायंदर विधानसभा में भी महासंग्राम छिड़ चुका है। भाजपा से टिकट की बाजी मारने वाले पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता के समर्थक सबसे ज्यादा उत्साहित नजर आ रहे हैं। 5 वर्षों तक राजनीतिक वनवास झेलने वाले मेहता के लिए यह चुनाव करो या मरो का चुनाव है। अलबत्ता टिकट की रेस से बाहर जा रहे मेहता ने अप्रत्याशित रूप से टिकट प्राप्त कर पहली बाजी मार ली है। वर्तमान विधायक गीता जैन, एडवोकेट रवि व्यास तथा विक्रम प्रताप सिंह के समर्थकों में साफ तौर पर निराशा दिखाई दे रही है। टिकट घोषणा के अंतिम दिन तक गीता जैन पूरे आत्मविश्वास के साथ लोगों से मिल रही थी। उनकी बॉडी लैंग्वेज और वक्तव्य से साफ नजर आ रहा था कि टिकट उन्हें ही मिलेगा। परंतु अंतिम क्षणों में नरेंद्र मेहता ने जिस तरह से भाजपा से टिकट ले लिया, उससे गीता जैन के साथ-साथ टिकट की रेस में खड़े अन्य प्रत्याशियों को भी स्तब्ध कर दिया। गीता जैन एक बार फिर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ेंगी। मेहता के समर्थकों को भले ही यह लड़ाई आसान लग रही हो, परंतु सच्चाई यह है कि मेहता के लिए जीत की राह आसान नहीं है। एक तरफ परंपरागत वोट बैंक के साथ कांग्रेस प्रत्याशी मुजफ्फर

हुसैन चुनावी मैदान में ताल ठोक रहे हैं। इस बार शरद पवार की राष्ट्रवादी पार्टी और उद्धव बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना का सपोर्ट हासिल होने से वह अपनी विजय सुनिश्चित मान रहे हैं। पूर्व नगरसेवक हंसू पांडे उत्तर भारतीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में डट गए हैं। देखा जाए तो श्री पांडे कांग्रेस का कम, भाजपा का ज्यादा नुकसान करेंगे। उनके समर्थकों में ज्यादातर उत्तर भारतीय हैं, जो भाजपा के परंपरागत वोटर माने जाते हैं। पूर्व नगरसेवक तथा एडवोकेट रवि व्यास के अत्यंत करीबी सुरेश खंडेलवाल भी नामांकन दाखिल कर महासंग्राम में उतर चुके हैं। उन्होंने जिस तरह से जैन समाज, मारवाड़ी समाज और राजस्थानी समाज की संस्थाओं द्वारा समर्थन मिलने का दावा किया है, उससे नरेंद्र मेहता के विजय रथ की रफ्तार पर प्रतिकूल असर पड़ना स्वाभाविक है । वर्तमान विधायक गीता जैन की बात करें तो पिछले 5 वर्षों में उन्होंने अपना साइलेंट वोट बैंक खड़ा किया है। साथ ही जैन समाज और शिंदे गुट के समर्थकों के साथ-साथ मेहता से नाराज उत्तर भारतीयों का गुप्त सपोर्ट मिलना तय है। ऐसे में गीता जैन की ताकत को कम आंकना मेहता समर्थकों की भारी भूल साबित हो सकती है। मेहता समर्थकों को यह नहीं भूलना चाहिए कि पिछले चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में ही गीता जैन ने उन्हें पटकनी दी थी।

श्रीमती जैन एकमात्र महिला उम्मीदवार हैं, ऐसे में महिला मतदाताओं का वे भावनात्मक लाभ उठा सकती हैं। शिक्षित होने के साथ-साथ साफ सुथरी छवि से उनको बड़ा लाभ मिल सकता है। निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे अरुण कदम निजानता के बीच में अच्छा काम किया है। यही कारण है कि वे सबका वोट काटते दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल उम्मीदवारों के साथ-साथ जनता ने भी अगला विधायक चुनने के लिए अपनी कमर कस ली है।

पद्मश्री डॉ. जहीर इशाक काजी ने विजयभूमि यूनिवर्सिटी के 5वे दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की

मुंबई। ग्रेटर मुंबई एरिया के करजत में स्थित, भारत की पहली लिबरल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी विजयभूमि यूनिवर्सिटी ने अपने कैम्पस में हाल ही में अपने 5वे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। शिक्षा के क्षेत्र की विशिष्ट हस्ती पद्मश्री डॉ. जहीर इशाक काजी इस आयोजन में मुख्य अतिथि थे। समारोह की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. आतिश चट्टोपाध्याय ने की और उनके साथ डॉ. शरद पुलाते तथा सारे डीन्स और फैकल्टी थे। विशिष्ट आगंतुकों में सरकारी निकाय, प्रबंधक मंडल, शैक्षणिक समिति के सदस्य, प्रबंधकीय कर्मचारी और विद्यार्थियों के माता-पिता शामिल थे। दीक्षांत समारोह में सफल ग्रेजुट्स को सम्मानित किया गया, जैसे कि ध्वनि लोकेश भंडारी को वाइस चांसलर्स मेडल मिला, जबकि साईचंदर पैट्रो, संगीता, गोम्स शायने डियेगो और एस अभय को डीन्स मेडल दिया गया।

ग्रेजुएट्स को बधाई देते हुए, पद्मश्री डॉ. जहीर इशाक काजी ने कहा, आपकी उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए यहाँ आकर मुझे सच में गर्व हो रहा है। इस यूनिवर्सिटी के छात्र भाग्यशाली हैं कि उन्हें प्रकृति का नजदीक अनुभव मिल रहा है और वे ऐसे अच्छे माहौल में पढ़ाई कर रहे हैं, जहाँ विचारों का खुलकर आदान-प्रदान हो सकता है और आइडियाज को नई चीजों में बदला जा सकता है। इस यूनिवर्सिटी की शुरूआत हाल ही में 2019 में हुई थी, लेकिन इसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पूरी तरह से और स्पष्ट तौर पर अपना लिया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, प्रबंध, विधि, संगीत तथा डिजाइन में अंतर्विषयक पढ़ाई का यहाँ प्रमाण मिलता है।

डोंबिवली स्टेशन का दौरा कर मंत्री चव्हाण ने यात्रियों से संवाद साधा

महिला स्पेशल लोकल और 15 डिब्बे की लोकल गाड़ियां पर विशेष ध्यान

चेतन निर्मल

डोंबिवली। डोंबिवली निर्वाचन क्षेत्र से महायुति के प्रत्याशी रविंद्र चव्हाण ने नामांकन भरने के अगले दिन से ही चुनाव प्रचार का आगाज कर दिया है। बुधवार की सुबह 7 बजे रविंद्र चव्हाण ने भाजपा प्रत्याशियों के साथ डोंबिवली स्टेशन का दौरा कर यात्रियों से संवाद साधा। इसके उपरांत उन्होंने कहा कि बढ़ते शहरीकरण को ध्यान में रखते हुए मैंने और सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को सारी जानकारी दी है, और जल्दी ही सकारात्मक बदलाव होंगे। उन्होंने आगे कहा कि, भाजपा नेता स्वर्गीय रामभाऊ म्हालगी,

रामभाऊ कापसे का रेल यात्रियों के साथ अटूट रिश्ता जगजाहिर है। मैं ईमानदारी से इसे बनाए रखने की कोशिश कर रहा हूं और रेल यात्रा में आने वाली कठिनाइयों से मैं वाकिफ हूं। उन्होंने यह भी कहा कि रेल यात्रा में हमेशा डोंबिवली यात्रियों की चर्चा होती है। मैंने स्वयं यहां आकर यात्रियों को अपना घोषणा पत्र दिया, उन्होंने मुझे अपनी अपेक्षाएं बताई हैं, इसलिए मैं इसे वरिष्ठ स्तर पर प्रस्तुत करने जा रहा हूं।

हमने लंबी दूरी की ट्रेनों के समय पर नहीं पहुंचने पर भी चर्चा की है। इसमें इस बात पर फोकस किया जाएगा कि समस्या का यथासंभव समाधान कैसे किया जाए। उन्होंने महिला यात्रियों को आश्वासन दिया कि महिला स्पेशल लोकल और 15 डिब्बे की लोकल गाड़ियां कल्याण एवं डोंबिवली से छोड़ी जाए इस विषय पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कैस्ट्रॉल इंडिया ने केदार लेले को अपना प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

मुंबई। लुब्रिकेंट बनाने वाली प्रमुख कंपनी कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड ने केदार लेले को अपना नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। उनकी यह नियुक्ति 1 नवंबर 2024 से प्रभावी होगी।

केदार हिन्दुस्तान यूनिलिवर लिमिटेड (एचयूएल) में दो दशकों का शानदार कॅरियर बिताने के बाद कैस्ट्रॉल इंडिया से जुड़े हैं। एचयूएल में वह एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर थे और उन पर दक्षिण एशिया में बिक्री एवं ग्राहक विकास की जिम्मेदारी थी। केदार के पास उच्च-स्तर का प्रदर्शन करने वाली टीमों को चलाने, वृद्धि और नवाचार को बढ़ावा देने की गहन विशेषज्ञता है। इसके साथ केदार ऑटोमोटिव तथा लुब्रिकेंट्स के विकसित हो रहे उद्योग में कैस्ट्रॉल इंडिया के भविष्य को दिशा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस नियुक्ति पर अपनी बात रखते हुए, कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन राकेश मखीजा ने कहा, हम कैस्ट्रॉल इंडिया में केदार का स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं। पेचीदा बाजारों में तरक्की करने और बड़ी टीमों का नेतृत्व करने में उनका गहन अनुभव उन्हें कैस्ट्रॉल इंडिया का संचालन करने के लिये हमारी पहली पसंद बनाता है। मैं संदीप का भी धन्यवाद करूंगा, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने बेजोड़ नेतृत्व का परिचय दिया है। उनके योगदान से बाजार में हमारी स्थिति काफी मजबूत हुई है और हम इस नई वैश्विक भूमिका में उनके सफल होने की कामना करते हैं। कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक केदार लेले ने अपने विचार रखते हुए कहा, लुब्रिकेंट्स के उद्योग में कैस्ट्रॉल एक जाना-पहचाना ब्रैंड है। और मैं कैस्ट्रॉल इंडिया की तरक?की तथा कायाकल्प के अगले चरण में उसका नेतृत्व करने को लेकर बहुत उत्साहित हूँ। मेरे लिये सबसे बड़ी प्राथमिकता हमारे पोर्टफोलियो का विस्तार करना और डिप्लॉयमेंट के असरदार मॉडल्स से बिजनेस में वृद्धि करना होगी। हम लगातार अपने भरोसेमंद ब्रैंड, उत्पादों के अभिनव पोर्टफोलियो और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करेंगे, ताकि भारत के मोबिलिटी सेक्टर में सबसे आगे बने रहें।

बोरीवली में छोटे बच्चों ने बनाई प्रतापगढ़ किले की प्रतिकृति

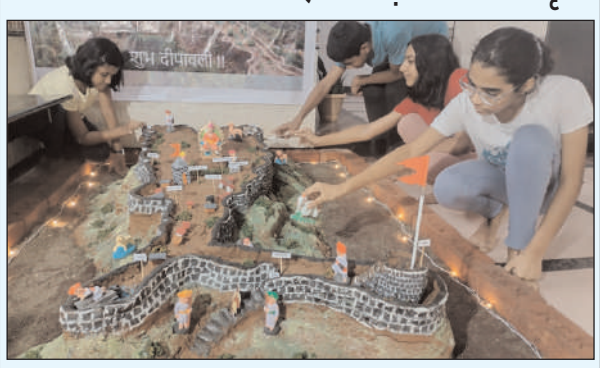

मुंबई। दिवाली के मौके पर मुंबई जैसे शहरों में अपने किलों के इतिहास को संजोने की कोशिश की जा रही है। बोरीवली पश्चिम में स्थित गोराई श्री दर्शन सोसायटी के माध्यम से इस वर्ष दिवाली के अवसर पर सोसायटी के छोटे बच्चों ने प्रतापगढ़ की प्रतिकृति बनाकर श्री छत्रपती शिवाजी महाराज के इतिहास को संरक्षित करने का प्रयास किया है। इस प्रतिकृति में किले पर स्थित केदारेश्वर मंदिर, भवानीमाता मंदिर सहित मीनार, गुप्त द्वार और किले का प्रवेश द्वार साकार किया गया है। पत्थरों, ईंटों और मिट्टी में रंग-बिरंगी रेखाएं जोड़कर बनाई गई किले की प्रतिकृति नागरिकों का ध्यान आकर्षित कर रही है।

133 वसई विधासभा सेस्नेहा दुबे ने भरा नामांकन

वसई रोड। 133 वसई विधानसभा क्षेत्र से आज भाजपा पार्टी की ओर से महायुति के आधिकारिक उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर मेरे साथ बड़ी संख्या में महायुति के अधिकारी, कार्यकर्ता और वसईकर शामिल हुए और जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया. आवेदन दाखिल करने के लिए आयोजित भव्य नामांकन रैली में वसईकरों को सहज प्रतिक्रिया मिली।

नागरिकों का प्यार,महागठबंधन के पदाधिकारियों का विश्वास और कार्यकर्ताओं के समर्थन ने इस विश्वास को मजबूत किया है कि इस वर्ष 133 वसई विधान सभा में परिवर्तन होगा। एसा लगता है नामांकन रैली में शामिल होने और अपना समर्थन देने के लिए सभी सहयोगियों को हृदय से धन्यवाद किया साथ मे महायुती के विशेष कार्यकर व पदाधिकारी का आभार व्यक्त किया। मीडिया कर्मी का भी आभार व्यक्त किया। स्नेहा दुबे का नामांकन के साथ प्रदेश सचिव रीना द्विवेदी,

अपर्णा पाटील, आम्रपाली, कांचन झा, संध्या दुबे, नालासोपारा के उम्मीदवार राजन नाईक, सुरेश प्रजापती, महेश सरवणकर, किरण भोईर, उत्तम कुमार, अर्जुन इंगोले, चेतन पगी, दीपक शर्मा, मनोज शर्मा, दुर्लभ पढियार, मलिक दादा उपस्थित रहे। महायुती के साथी शिवसेना शिंदे गुट से नीलेश तेंडुलकर, शीतल कदम भी उपस्थित होकर अपनी पार्टी की सूचक हाजरी समर्थन किया।

पी. डी. हिंदुजा अस्पताल और मेडिकल रिसर्च सेंटर ने मुंबई पुलिस के लिए एक विशेष स्तन कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया

मुंबई। पी.डी. हिंदुजा हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर ने आज मुंबई पुलिस की महिला अधिकारियों के लिए एक विशेष छह दिवसीय स्तन कैंसर जांच शिविर शुरू किया, अक्टूबर स्तन कैंसर जागरूकता माह है। यह शिविर 24 से 30 अक्टूबर 2024 तक अतिरिक्त आयुक्त कार्यालय, बायकुला में आयोजित किया जा रहा है। संभावित असामान्यताओं की पहचान करने के लिए एक त्वरित, गैर-आक्रामक विधि की पेशकश करते हुए तकनीक का उपयोग करते हुए इस पहल का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना और स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने को बढ़ावा देना और मुंबई की महिला पुलिसकर्मियों की भलाई सुनिश्चित करना है।

स्तन कैंसर भारतीय महिलाओं में सबसे आम कैंसर है, जो सभी महिला कैंसरों का 25% है, आयु-समायोजित घटना दर प्रति 100,000 महिलाओं पर 25.8 है। मृत्यु दर प्रति 100,000 महिलाओं पर 12.7 है और चिंताजनक बात यह है कि युवा महिलाओं में स्तन कैंसर की घटनाएं बढ़ रही हैं। भारत में स्तन कैंसर के लगभग 36% मरीज 50 वर्ष से कम उम्र के हैं, जो आबादी में जल्दी शुरू होने की बढ़ती प्रवृत्ति को दशार्ता है। दुर्भाग्य से, 60% स्तन कैंसर का पता बीमारी के

उन्नत चरण में चलता है। प्रभावी उपचार के लिए जागरूकता और शीघ्र पता लगाना महत्वपूर्ण है।

श्री। पी. डी. हिंदुजा हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर के सीईओ गौतम खन्ना ने ₹एट पी.डी.₹ पहल के महत्व पर जोर दिया। हिंदुजा अस्पताल, हम अपने समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए सबसे उन्नत स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। हम हमेशा बीमारियों की रोकथाम और शीघ्र पता लगाने पर जोर देते हैं। मुंबई पुलिस की महिला अधिकारियों के लिए आयोजित यह विशेष शिविर यह सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है कि जो लोग अथक रूप से मुंबईकरों की रक्षा करते हैं, उन्हें स्तन कैंसर की शीघ्र जांच के तरीकों तक पहुंच प्राप्त हो।डॉ। विनय देशमाने, सलाहकार - सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, पी. डी. हिंदुजा अस्पताल और मेडिकल रिसर्च सेंटर ने कहा, ₹स्तन कैंसर का जल्दी पता चलने से सफल उपचार की संभावना नाटकीय रूप से बढ़ जाती है। जबकि हम चालीस वर्ष से ऊपर की प्रत्येक महिला को उनके व्यक्तिगत जोखिम के आधार पर नियमित अंतराल पर मैमोग्राम कराने की सलाह देते हैं, सीमित पहुंच, जीवनशैली और जागरूकता के मुद्दों के कारण यह अक्सर संभव नहीं होता है, इसलिए, हम इस नैदानिक स्तन परीक्षण और स्क्रैनिंग की पेशकश कर रहे हैं जिससे वृद्धि में मदद मिलेगी जागरूकता और छोटी गांठों की पहचान कर सकती है जिन पर अन्यथा ध्यान नहीं दिया जा सकता है। मुंबई की महिला पुलिसकर्मियों को सीधे इस जांच और स्कैन की पेशकश करके, हम महिलाओं के इस विशेष समूह के बीच जागरूकता बढ़ाने की उम्मीद करते हैं, ताकि असामान्यताओं वाली महिलाएं प्रारंभिक चरण में चिकित्सा मूल्यांकन और उसके बाद मैमोग्राफी/जांच की मांग कर सकें। इससे संभावित रूप से इन असाधारण महिलाओं की जान बचाई जा सकती है ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

जमीन विवाद में किशोर की निर्मम हत्या

तलवार से गर्दन काटकर किया अलग

आरोपियों के विरुद्ध की जाएगी कड़ी कार्यवाहीः जिला प्रशासन

रियाजुल हक ज़िला क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरूद्दीनपुर गांव में लंबे समय से चल रहे जमीनी विवाद को लेकर सुबह दो पक्षों के विवाद में एक पक्ष के अनुराग पुत्र रामजीत की मृत्यु हो गई।

घटना के तुरंत बाद जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र और पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजयपाल शर्मा के द्वारा मौके पर पहुंचकर पीड़ित के परिजनों को सांत्वना दिया गया तथा आश्वासन दिया गया कि दुख की इस घड़ी में जिला प्रशासन परिवार के साथ है तथा इस परिस्थिति में न्याय दिलाने हेतु हरसंभव प्रयास किया जाएगा और आरोपी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने इस मार्मिक घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा

कि यह एक जघन्य अपराध है इस घटना को जिसने भी घटित किया है इसके आरोपी को कठोरतम दंड दिलाया जाएगा तथा आरोपी को उकसाने वालों के विरुद्ध भी कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

यह जमीनी विवाद वर्षों पुराना है तथा न्यायालय में विचाराधीन है। इन सभी का अवलोकन करते हुए पूरे प्रकरण की मजिस्ट्रियल जांच हेतु अपर जिलाधिकारी वि0 एवं रा0 को नामित किया गया है तथा 03 दिन के अंदर घटनाक्रम की जांच करते हुए आख्या रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए जिससे दोषियों के विरुद्ध कठोरता कार्यवाही किया जा सके। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा मौके पर मौजूद रहकर पूरे घटनाक्रम पर निगरानी रखी जा रही है।

कई वर्षों से चले आ रहे जमीनी विवाद और आपराधिक रंजिश के कारण हुई घटना

- आरोपियों के विरुद्ध की जाएगी कड़ी कार्यवाही, दुख की इस घड़ी में जिला प्रशासन है परिवारजन के साथः जिलाधिकारी
- लेखपाल को तत्काल प्रभाव से किया गया निलंबित, घटना के मजिस्ट्रियल जांच हेतु अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नामित

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। कई वर्षों से चले आ रहे जमीनी विवाद और आपराधिक रंजिश के कारण गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरूद्दीनपुर गांव में सुबह दो पक्षों के बीच हुए विवाद में एक पक्ष के युवक अनुराग पुत्र रामजीत की मृत्यु हो गई। घटना के तुरंत बाद जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र और पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजयपाल शर्मा के द्वारा मौके पर पहुंचकर पीड़ित के परिजनों को सांत्वना दिया गया तथा आश्वासन दिया गया कि दुख की इस घड़ी में जिला प्रशासन परिवार के साथ है तथा इस परिस्थिति में न्याय दिलाने हेतु हरसंभव प्रयास किया जाएगा और आरोपी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। यह जमीनी विवाद वर्षों पुराना है तथा सिविल न्यायालय में विचाराधीन है। इन सभी का अवलोकन करते हुए पूरे प्रकरण की मजिस्ट्रियल जांच हेतु अपर जिलाधिकारी वि0 एवं रा0 को नामित किया गया है तथा 03 दिन के अंदर घटनाक्रम की जांच करते हुए आख्या रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए जिससे दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किया जा सके। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा मौके पर मौजूद रहकर पूरे घटनाक्रम पर निगरानी रखी जा रही है।उक्त प्रकरण को गंभीरता पूर्वक लेते हुए जिलाधिकारी द्वारा तत्कालीन लेखपाल जगदीश यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है तथा तत्कालीन राजस्व राजस्व निरीक्षक मुनीलाल के खिलाफ कार्रवाई हेतु रिपोर्ट प्रेषित कर दी गई है। मौके पर पुलिस एवं राजस्व टीम उपस्थित है।इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विधिक कार्यवाही की जा रही है और शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है।

विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल को किया गया नमन

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के पूर्व दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में उनकी मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने नमन किया। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का पूरा जीवन देश के लिए समर्पित रहा।उनका कृतित्व और व्यक्तित्व आज के युवाओं के लिए बहुत सारे संदेश देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को एकता की शपथ दिलाई। अनुप्रयुक्त सामजिक विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर मनोज मिश्र ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश की कई रियासतों को एकजुट किया। उनका दृष्टिकोण और नेतृत्व आज भी प्रेरणादायक है। नशा मुक्ति परिसर एवं समाज अभियान के समन्वयक डॉ मनोज कुमार पाण्डेय ने विद्यार्थियों को अपने परिवार के साथ ही साथ समाज को नशा मुक्त करने की अपील की। विद्यार्थियों को नशा मुक्त जीवन जीने हेतु शपथ दिलाया। इसी क्रम में माय भारत की प्रथम वर्षगांठ के कार्यक्रम के अंतर्गत यातायात सुरक्षा एवं एकता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर प्रो.अजय द्विवेदी, प्रो.राजेश शर्मा, प्रोफेसर गिरधर मिश्र, डॉ.एसपी तिवारी, डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ.श्याम कन्हैया सिंह, डॉ.रामांशु सिंह, डॉ.पुनीत धवन, डॉ.सौरभ सिंह डॉ धीरेन्द्र चौधरी समेत विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अमित बने समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर एवं प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के सहमति पर जौनपुर जिले कुकुडीपुर के निवासी अमित यादव को प्रदेश समाजवादी पार्टी मजदूर सभा का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। यह मनोनयन समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त पूर्व राज्यमंत्री राहुल निगम वारसी ने किया है। मजदूर सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल निगम वारसी ने अमित यादव को पत्राचार करते हुए यह जोर दिया है कि वह पूरी ऊर्जा के साथ समाजवादी पार्टी को शिखर पर ले जाने की भूमिका अपने सहयोगियों के साथ दें और नए लोगों को जोड़ें। पूर्व सांसद स्वः अर्जुन सिंह यादव के पुत्र अमित यादव के समाजवादी मजदूर सभा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर समाजवादी पार्टी के नेताओं व कार्यकताओं ने बधाई दी है। समाजवादी मजदूर सभा के नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव ने कहा कि जो भी जिम्मेदारी पार्टी ने दिया है उसे पूरी निष्ठा ऊर्जा ईमानदारी से निर्वहन करेंगे और पार्टी को शिखर पर ले जाने का काम करेंगे।

बंदे भारत ट्रेन के सामने कूदकर महिला ने की खुदकुशी

जौनपुर,(उत्तर शक्ति)। खेतासराय क्षेत्र के गोरारी रेलवे क्रासिंग के पास बुधवार को बंदे भारत ट्रेन के सामने एक महिला ने छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। शव की शिनाख्त होने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस आत्महत्या का कारण गृह कलह बता रही है। बताया जाता है कि सुबह लगभग साढ़े दस बजे बंदे भारत ट्रेन जौनपुर की ओर से आ रही थी। गोरारी गेट संख्या 57 के आगे एक महिला रेलवे के किनारे टहल रही थी। ट्रेन नजदीक आते ही उसने ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। गेटमैन ने इसकी सूचना खेतासराय स्टेशन अधीक्षक को दी। स्टेशन अधीक्षक ने स्थानीय थाने की पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस शव की पहचान कराने की कोशिश की। काफी देर बाद शव की शिनाख्त शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के सबरहद गांव निवासी संतोष उर्फ कृष्ण कुमारी (40) पत्नी रमेश राजभर के रूप हुई।

अल्फारुक पब्लिक स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता संपन्न

-वसीम अहमद

सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)कादीपुर क्षेत्र के अल्फारुक पब्लिक स्कूल में दीवाली के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता में प्रिपराइमरी से कक्षा 10 के छात्र एवं छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने अपने कला कौशल का भरपूर प्रदर्शन किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभागियों भिन्न भिन्न प्रकार की आकृति व उचित रंगों का प्रयोग कर दृश्य को मनोरम बना दिया । कक्षा नौ के छात्रों ने प्रथम, वहीं दसवीं के द्वितीय और प्री प्राइमरी के छात्रों ने तीसरा स्थान बनाने में सफल रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी प्रतिभागियों उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा से प्रतिभागियों की प्रतिभाओं में निखार पैदा होता है। समय समय पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना आवश्यक है,इससे छात्रों में प्रतिभाओं के प्रदर्शन का उचित अवसर प्राप्त होता है।

माउन्ट लर्नर एकेडमी स्कूल के छात्रों ने निःशुल्क परामर्श में लिया भाग

चन्दवक,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीपवाली के शुभ अवसर पर आज बुद्धवार को विशुनपुर लेवरुआ बजरंगनगर माउन्ट लर्नर एकेडमी स्कूल के चेयरमैन शैलेन्द्र कुमार सिंह व डायरेक्टर अनुपम कुमार सिंह की देखरेख में निशुल्क परामर्श कैंप का आयोजन किया गया। यह आयोजन मुख्य एवं दंत रोग विशेषज्ञ डॉ अमित कुमार सिंह के टीम द्वारा 500 से अधिक माउन्ट लर्नर के छात्रों को निशुल्क परामर्श मे भाग लिया गया ।और इस अस्पताल में विभिन्न प्रकार के स्पेशलिस्ट डॉक्टर उपलब्ध रहे।जिसमे दंत रोग जनरल फिजिशियन एवं आँखो की जांच भी की गई एवं चन्दवक बाजार के क्रेडल चाइल्ड नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ रवि प्रकाश पांडये एवं वाराणसी के कबीरपुर हॉस्पिटल के जनरल फिजिशियन डॉ अनिमेष रमण श्रीवास्तव में मिलने वाले सुविधाओ के बारे में लोगो को अच्छी जानकारी भी दी। और कैम्प के आयोजन मे चन्दवक हॉस्पिटल के डेंटल केयर के मुख्य

एवं दंत रोग विशेषज्ञ डॉ अमित कुमार सिंह ने लोगो को जागरूक करते हुए बताया कि मुख्य रूप से मुँह व दाँतो की सफाई करना बहुत जरुरी है और बहुत सारे विमारियों से बच सके और तम्बाकू का सेवन से दुरी रहे इस पर बच्चों को प्रभाव पड़ता है। छात्रों ने अच्छी रंगोली बनाकर मनाई दीपावली। वही माउन्ट लर्नर एकेडमी व सुमित्रा संस्थान स्कूल मे इस दौरान छात्र, छात्राओं ने आकर्षक रगोली बनाकर ग्रीन और क्लीन दिवाली मनाने का सन्देश दिया।

रंगोली प्रतियोगिता स्कूल के प्रबंधक अनुपम कुमार सिंह जी के देखरेख मे सम्पन्न कराने के साथ ही छात्र-छात्राओं को प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर बंदना मेडिकल स्टोर के पंकज सिंह, प्रधानाचार्य अभिषेक सिंह एवं विद्यालय के सभी अध्यापक गण उपस्थिति रहे।

निरीक्षण में फिसड्डी निकला दिव्यांग विभाग, डीएम ने दिया अल्टीमेटम

जौनपुर,(उत्तर शक्ति)। मंगलवार को डीएम डॉ दिनेश कुमार के निरीक्षण में दिव्यांग विभाग पूरी तरह से निकम्मा निकला, विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों की लापरवाही का खामियाजा चार हजार से अधिक दिव्यांग भुगते पाये गए। यह खामियां देखकर जिलाधिकारी भड़क उठे। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को फटकार लागते हुए 36 घंटे के भीतर सभी कमियों को पूरा करने का सख्त आदेश दिया हैं। समय सीमा के भीतर काम पूरा न करने पर कठोर भी हो सकती हैं। योगी सरकार के लाख कोशिश के बाद भी सरकारी अधिकारी कर्मचारी सुधारने का नाम नही ले रहे है। यह आलम जिलाधिकारी कार्यालय से लेकर तहसील और ब्लाक मुख्यालय तक है। बड़े अफसरों के निरीक्षण में खामियां मिलने पर फटकार मिलती है दंड मिलता भी है इसके बाद भी हालात में कोई सुधार नही हो रहा हैं।

जिलाधिकारी के द्वारा विकास भवन स्थित कार्यालय दिव्यांगजन एवं सशक्तिकरण विभाग का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने करीब 4 हजार चार सौ आवेदन पत्र का आधार सीडिंग नही होना पाया, जिसपर उन्होंने कडी. नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि 36 घण्टे के भीतर सभी आवेदनों पर आधार सीडिंग कराते हुए अवगत कराए। इसके साथ ही उन्होंने पेंशन लाभार्थियों के सन्दर्भ में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बताया कि 25 अक्टूबर 2024 को प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार आधार प्रमाणीकरण हेतु लम्बित आवेदनों को निस्तारित करने के निर्देश दिये गये थे जिसके सापेक्ष आज की

तिथि तक निस्तारित आवेदनों की संख्या कम पायी गयी, जोकि बेहद खेदजनक है जिस पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि जिला विकास अधिकारी के सहयोग से आधार प्रमाणीकरण कार्य को शीघ्र सम्पादित कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सुहानुभूतिपूर्वक कार्य करते हुए दिव्यांगजनों को विभाग के द्वारा दी जा रही सुविधाओं से संतृप्त कराया जाए। उन्हे कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़े। इससे पूर्व डीएम ने केलेक्ट्रेट परिसर स्थित प्रतिलिपि अनुभाग राजस्व अभिलेखागार (रिकार्ड रूम) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अव्यवस्थित पत्रावलियों का रख-रखाव, टूटे फर्नीचर, साफ-सफाई न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और तत्काल व्यवस्था ठीक कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने रिकार्ड रूम में सीसीटीवी न होने पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की और तत्काल सीसीटीवी लगाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 02 दिन के भीतर सभी व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए। उन्होंने लम्बित नकल के सम्बन्ध में जानकारी ली जिसमें आकड़े अद्यतन पाये गये।

न्याय की दीवारों के भीतर अन्याय

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। गाजियाबाद कोर्ट में हालिया घटना ने न्यायपालिका और पुलिस के व्यवहार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 29 अक्टूबर को गाजियाबाद जिला कोर्ट में वकीलों और पुलिस के बीच हुए टकराव के बाद पुलिस ने वकीलों पर लाठीचार्ज किया।जिसमें कई वकील घायल हो गए। इस घटना ने न्यायिक प्रणाली के भीतर एक गहरे असंतुलन की ओर इशारा किया है, जहाँ वकीलों के अधिकारों का लगातार हनन हो रहा है।और न्याय का यह तंत्र एकतरफा नजर आ रहा है। न्याय के प्रहरी वकील जब अपने मुवक्किलों के लिए आवाज उठाते हैं। तो उन्हें दबाने के प्रयास क्यों किए जाते हैं? इस घटना की जड़ें गहरी हैं। और न्यायिक अधिकारियों के रवैये पर सवाल उठाने की जरूरत है। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, गाजियाबाद कोर्ट में एक स्थानीय जज के खिलाफ वकीलों द्वारा असहमति और सवाल उठाए जाने के बाद स्थिति बिगड़ी। यह कोई नई बात नहीं है कि कुछ न्यायाधीश वकीलों की आवाज को अनसुना कर देते हैं या उनके अधिकारों को नजरअंदाज करते हैं। न्यायाधीशों की इस उदासीनता और न्याय प्रणाली में व्याप्त पक्षपातपूर्ण रवैया वकीलों के प्रति एक अपमानजनक व्यवहार को दशार्ता है, जहाँ उनके अधिकारों को अनदेखा करना मानो एक परंपरा बन गई है। कई बार न्यायाधीश वकीलों के प्रति असम्मानजनक व्यवहार करते हैं और उनकी वैध मांगों को नजरअंदाज करते हैं। गाजियाबाद की इस घटना में भी यही परिलक्षित होता है। एक जज का काम सिर्फ आदेश देना नहीं, बल्कि वकीलों की आवाज को सुने बिना उनकी मांगों को खारिज करना भी न्याय का उल्लंघन है। यह रवैया एक बड़ी समस्या का संकेत है कि न्याय प्रणाली में न केवल शक्ति का असंतुलन है।बल्कि एक गंभीर पक्षपात भी व्याप्त है। जब न्यायाधीशों के पक्षपातपूर्ण रवैये के चलते वकीलों की आवाज को दबाने का प्रयास किया जाता है।तो यह केवल न्यायाधीशों की निष्पक्षता पर नहीं, बल्कि पूरे न्यायिक ढांचे पर सवाल खड़ा करता है। न्यायाधीशों के इस प्रकार के अनुचित व्यवहार ने ही गाजियाबाद जैसी घटनाओं को जन्म दिया है।जहाँ वकीलों को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाते समय दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। गाजियाबाद की इस घटना के बाद बार काउंसिल और बार एसोसिएशनों की निष्क्रियता ने भी वकीलों को निराश किया है। जिन संगठनों का उद्देश्य वकीलों के अधिकारों की रक्षा करना है। उनकी चुप्पी या धीमी प्रतिक्रिया न्यायिक तंत्र के इस अन्यायपूर्ण व्यवहार को और भी गहरा बनाती है। बार काउंसिल को वकीलों के समर्थन में प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। लेकिन उनकी वर्तमान निष्क्रियता ने वकीलों को अपने ही देश में असहाय महसूस कराया है। अगर ये संगठन समय पर ठोस कार्रवाई करें तो शायद न्यायपालिका और प्रशासन अपने व्यवहार में सुधार करने पर विचार करें। यह स्पष्ट है कि गाजियाबाद की घटना न्याय प्रणाली में सुधार की एक कड़ी आवश्यकता को दशार्ती है। वकील समाज के कमजोर तबकों के लिए न्याय की आवाज उठाते हैं। और अगर उन्हें न्यायपालिका और पुलिस द्वारा इस प्रकार से दबाया जाएगा तो पूरे समाज का लोकतांत्रिक ढांचा खतरे में आ जाएगा। न्यायाधीशों को चाहिए कि वे वकीलों की समस्याओं को समझें और उनकी मांगों का सम्मान करें।क्योंकि न्याय के स्तंभ में यह असंतुलन केवल वकीलों के अधिकारों को हानि नहीं पहुंचाता।बल्कि आम जनता के न्याय पाने के अधिकार को भी सीमित करता है। गाजियाबाद की इस घटना ने न्यायपालिका की कार्यप्रणाली और उसमें मौजूद असमानता को उजागर किया है। न्यायाधीशों और पुलिस का यह दमनकारी रवैया न केवल वकीलों के अधिकारों का हनन है। बल्कि न्यायिक प्रणाली की निष्पक्षता पर भी गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। बार काउंसिल और एसोसिएशनों को चाहिए कि वे इस मामले को गंभीरता से लें और वकीलों के समर्थन में ठोस कदम उठाएं। न्यायपालिका को भी अपने रवैये पर पुनर्विचार करना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और न्याय प्रणाली सभी के लिए समान और निष्पक्ष बनी रहे। एडवोकेट एस एम जाफर रजा जैद्री (उच्च न्यायालय इलाहाबाद)

धनवंतरी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। नवम आयुर्वेद दिवस (धनवंतरी दिवस) के अवसर पर 29 अक्टूबर 2024 को लोहिया पार्क पालिटेक्निक चौराहा जौनपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद जौनपुर के अध्यक्ष के प्रतिनिधि रामसूरत मौर्या, जिला उद्यान अधिकारी सीमा सिंह राणा, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ0 कमल द्वारा भगवान धनवंतरी जी का पूजन कर एवं दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया गया।धनवंतरी दिवस के अवसर पर आयुर्वेद, होम्योपैथ एवं यूनानी कैंप का भी आयोजन किया गया जिसमें रोगियों का निःशुल्क शुगर, हीमोग्लोबिन की जांच की गई एवं निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया एवं कृषि विभाग द्वारा श्री अन्न (मोटे अनाज) का स्टाल लगाया गया तथा उसके उपयोग के विषय में बताया गया। इस दौरान उद्यान विभाग द्वारा औषधि पौधों का वितरण किया गया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने विस्तार से आयुर्वेद के सेवन से होने वाले लाभों के सन्दर्भ में जानकारी दी और कहा कि आयुर्वेद का कोई दुष्परिणाम नहीं होता है।

कार्यकम में प्रमुख रूप से जिला उद्यान अधिकारी, प्रोजेक्ट उप निदेशक कृषि प्रचार डॉ0 रमेश यादव, डॉ प्रदीप सिंह, डॉ0 सुदर्शन बिंद, डॉ0 स्तुति साहनी, डॉ0 अनिल कुमार सिंह, दीपक श्रीवास्तव, प्रदीप पांडेय, मनोज कुमार सिंह, निलेश यादव, नंदलाल, संजय, धर्मेंद्र सिंह, सोनू यादव एवं फार्मासिस्ट व योग प्रशिक्षक सहित अन्य उपस्थित रहे।

शिक्षा समरसता का भाव पैदा करती है: मौलाना फिरंगी महली

पैरामेडिकल कॉलेज सहित तीन शिक्षण संस्थानों का किया शिलान्यास

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के मझौरा गाँव में बुधवार की दोपहर अनीता मेमोरियल कॉलेज ऑफ फामेर्सी, अनीता मेमोरियल इंस्टिट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंस, अदान इण्टरनेशनल स्कूल का विधि-विधान से शिलान्यास किया बतौर मुख्य अतिथि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के उपाध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने शिक्षण संस्थानों की बुनियाद रखा इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए बताया की शिक्षा से समरसता का भाव पैदा होता है। कुरान में पहला शब्द आया है इकरार जिसका मतलब होता है पढ़ो, उन्होंने ने महिला शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा पर बल देते हुए कहा की शिक्षित कौम ही तरक्की करती है और शिक्षा से ही सभ्य समाज का विकास होता है शिक्षित समाज ही किसी भी देश की तरक्की में अहम योगदान देता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री शैलेन्द्र यादव ललई ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत हो रही है इसके साथ ही साथ क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को भी सशक्त करेगा। यह स्कूल युवाओं को फामेर्सी और पैरामेडिकल के क्षेत्र में व्यावहरिक ज्ञान और कौशल प्राप्त करने का अवसर देगा। जिससे वे भविष्य में देश-विदेश में अपनी सेवाएं दे सकेंगें। उक्त स्कूल में उच्च गुणवत्ता वाले प्रयोगशालाएं, आधुनिक शिक्षण उपकरण और अनुभवी शिक्षक होंगे जो छात्रों को नवीनतम तकनीकों और सिद्धान्तों से अवगत कराएंगे। जिससे चिकित्सा क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की कमी को पूरा करने में मदद मिलेगी और यह क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान साबित होगा। इस पूर्व आएं हुए अतिथियों को फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मौलाना अब्दुराहीम नाजिम मदरसा गुरैनी, चेयरमैन वसीम अहमद डा. तबरेज आलम प्राचार्य, सैय्यद उरूज,मो. अजमल, डा. असहल, डा. एजाज अहमद,बृज किशोर यादव, महेंद्र कुमार,आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम अंत में आयोजक संस्था के प्रबंधक निदेशक डा. मोहसिन जफर ने अगतुकों के प्रति आभार प्रकट किया।

विकास खण्ड सोंधी शाहगंज में रोजगार मेला का आयोजन 5 नवम्बर को

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ0प्र0 एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर के तत्वाधान में 05 नवम्बर 2024 को प्रातः 10 बजे विकास खण्ड सोंधी शाहगंज परिसर जौनपुर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की ब्राइट फ्यूचर प्रा0लि0, खेतीहर एवं शिवशक्ति बायोटेक्नोलाजी प्रा0लि0 कम्पनियों के द्वारा हाईस्कूल, इण्टर, आई0टी0आई0 एवं स्नातक उत्तीर्ण बेरोजगार अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र की कम्पनियों में सेवायोजित कराये जाने हेतु रोजगार मेला आयोजित किया जायेंगा। जिसमें अभ्यर्थी प्रतिभाग करते हुए साक्षात्कार के माध्यम से योग्यतानुसार विभिन्न पदों पर रोजगार प्राप्त कर सकते है। जिला सेवायोजन अधिकारी एवं सहायक सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी0प्रुफ सहित एवं वेब पोर्टल https://roj-gaarsangam.up.gov.in पर जॉब सीकर के रूप में पंजीकरण उपरांत आवेदन करते हुए प्रतिभाग करें।

कार्यालय
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक)
निकट- हुमा मस्जिद वार्ड नम्बर-35, मुफ्ती मोहल्ला
जनपद- जौनपुर (उ0प्र0)- 222001
कार्यालय 9695970605
मुख्यालय 9554493941
E-mail: uttarshaktijaunpur7066@gmail.com
विज्ञापन, सूचना सम्बन्धित खबरों के लिए सम्पर्क करें।
Website-www.uttarshakti.co.in
UTTAR SHAKTI TV NEWS
हर खबर निष्पक्षता के साथ

2000 भक्तों को नि:शुल्क बाबा विश्वनाथ का दर्शन कराएंगे सतीश तिवारी

जौनपुर। कहते हैं कि मन में यदि दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो आदमी असंभव काम को भी संभव बना देता है। राम जन्मभूमि अयोध्या न्यास से जुड़े युवा समाजसेवी सतीश तिवारी पिछले कुछ अरसे से ऐसे ही काम कर रहे हैं, जो आम लोगों के लिए असंभव प्रतीत होता है। विगत मई महीने में करीब 1000 लोगों को बस द्वारा नि:शुल्क अयोध्या धाम की यात्रा करा चुके सतीश तिवारी आगामी 10 नवंबर को करीब 2000 लोगों को नि:शुल्क बाबा विश्वनाथ काशी धाम, वाराणसी की यात्रा पर ले जा रहे हैं। मकसद एक ही है कि जो लोग संसाधनों या वित्तीय समस्याओं के चलते धार्मिक स्थानों की यात्रा नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें बस द्वारा धार्मिक यात्रा कराना। वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ का दर्शन कराने के लिए वे बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित अपने पैतृक गांव सियरावासी के साथ साथ आसपास के सभी गावों में संपर्क कर रहे हैं। आज इसी क्रम में वे अपने सहयोगियों के साथ महमदपुर गांव में पहुंचे, जहां वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने उनके इस नेक काम के लिए उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर सह आयोजक तथा श्री शंकर दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष विपिन तिवारी, रचित तिवारी, पंकज मिश्रा ,सौरभ मिश्रा ,प्रवीण तिवारी, सुमित तिवारी के अलावा युवा समाजसेवी राहुल पांडे तथा प्रवेश पांडे उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सा अधिकार,नर्सिंग कर्मी और योग प्रशिक्षकों का धनवंतरी जयंती पर किया सम्मान

झुंझुनूं। दीपावली त्योंहार का आगाज आज धनतेरस से शुरू हुआ,इस अवसर पर आयुर्वेद विभाग द्वारा भगवान धनवंतरी की जयंती बड़ी धूमधाम से जिला कार्यालय में उपनिदेशक डॉ.रमेश कुमार शर्मा के मुख्यआतिथ्य में मनाई गई तथा सहायक निदेशक डॉ.रविन्द्र कुमार, चिकित्सक संघ जिलाध्यक्ष डॉ.मदनलाल सैनी, अलसीसर ब्लॉक नोडल अधिकारी डॉ.अश्विनी कुमार मचासीन रहे।

कार्यक्रम का आगाज भगवान धनवंतरी के समक्ष दीप प्रज्वलन कर विधि विधान से किया गया तथा आज के इस आयोजन पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं द्वारा भगवान धनवंतरी के प्राकट्य दिवस के बारे विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।इस बार के सम्मान समारोह में प्रत्येक ब्लॉक से 4 उन कर्मियों को चुना गया जो उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सा अधिकारी, नर्स-कंपाउडर, परिचारक, मंत्रालयिक कर्मचारी,योग प्रशिक्षक को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. रोहितास जांगिड, डॉ.प्रवीण यादव, डॉ.प्रताप कुमावत, डॉ.राजेंद्र कुमावत, डॉ. रमा कस्वा, डॉ. अनामिका शर्मा, डॉ. रोहिताश सैनी, डॉ बलराज, डॉ. चौथमल सैनी, डॉ.नितेश सैनी, डॉ. पंकज शर्मा, कंपाउडर नरेश यादव, मंजना कुमारी, मुकेश रैबारी,सुरेंद्र स्वामी, रणधीर सिंह, बृजमोहन,छऊ जनार्दन सैनी, नरेंद्र सांगवान, परिचारक संघ के देवकरण ,राजेश मीणा, पूर्ण मल गुजर, रोशनी देवी व सुमन एवं योग प्रशिक्षक सहित कुल 41 कार्मिकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेंद्र कुमावत ने किया।

सनराइज मसाले छठ पूजा पर म्यूजिक वीडियो पेश किया

भागलपुर। पूर्वी भारत में मसाला के सबसे प्रमुख ब्रांड आईटीसी लिमिटेड के सनराइज मसाले ने छठ पूजा के मौके पर एक खास म्यूजिक वीडियो पेश किया है। बिहार में छठ पूजा मनाने के लिए यह म्यूजिक वीडियो कंपनी के 'ऊर्जा का वरदान' कैम्पेन के तहत पेश किया गया है। वीडियो में बिहार के इस सबसे लोकप्रिय पर्व के गहरे सांस्कृतिक महत्व को दर्शाया गया है। इसी के साथ ही वीडियो में बिहार की परंपराओं और छठ पूरा से जुड़े पारिवारिक बंधन को भी दर्शाया गया है। इस म्यूजिक वीडियो का उद्देश्य युवा पीढ़ी को इस त्यौहार का महत्व समझाने और इसे अपनाने के लिए उन्हें प्रेरित करना है। इस म्यूजिक वीडियो को प्रसिद्ध भोजपुरी गायिका देवी की खूबसूरत आवाज में पेश किया गया है। इस म्यूज़िक वीडियो में लोकप्रिय अभिनेता राजेश कुमार और नेहा मर्दा दिल को छू लेने वाली भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

मनबढ़ युवक पर कार्यवाही न होने से पीड़ित परिवार में भय का माहौल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर अर्न्तगत बक्शा थाना के ओंका गांव का ही दबंग पट्टीदार जमीनी रंजिश में जान से मारने की नियत से गत दिवस तमंचा लेकर दौड़ाया। पीड़ित युवक जब भाग गया तो क्रोधित होकर दरवाजे पर खड़ी गाड़ी बोलोरो गाड़ी को ही बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। गाड़ी के सारे शीशा गेट व छत को तोड़ दिया। जिसमें पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। बताया जाता है कि विपक्षी द्वारा विवादित जमीन कब्जा कर जबरजस्ती नल लगाने का प्रयास किया जा रहा था। जिसे मना करने पर आनंद शर्मा (रजत)पुत्र अवधेश शर्मा, अवधेश शर्मा पुत्र बेचुलाल शर्मा, पुष्पा शर्मा पत्नी अवधेश शर्मा व अन्य पार्थी को जान से मारने कि कोशिश की। इतना सब हो जाने के बाद भी दबंग खुलेआम खूम रहे है और प्रार्थी को लगातार जान से मारने कि धमकी दे रहे है। प्रार्थी द्वारा 16 बार उच्चाधिकारियों के यहां तहसीलदार व पुलिस अधीक्षक महोदय को रजिस्टर्ड लेटर द्वारा अवगत कराया जा चुका है और तहसील दिवस व थाना दिवस पर 35 से 40 बार प्रार्थना पत्र दिया जा चुका है। इस के बाद भी उक्त दबंग के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय क्षेत्र के सैद गोरारी गांव में बुधवार को एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। परिजनों के किसी कार्रवाई से इंकार करने पर पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को परिजनों के हवाले कर दिया। उक्त गांव निवासी 60 वर्षीय बदरुन्निसा पत्नी शमशाद की सिर में चोट लगने से परिवार वाले नगर के एक निजी अस्पताल ले गए। जहां हालत गंभीर देख उसे रेफर कर दिया गया। जौनपुर ले जाते समय वृद्धा की मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर चले गए। चर्चा उठी कि पति पत्नी के विवाद के दौरान पति के धक्का दे देने से महिला गिर गई। जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आई। वृद्धा की मौत हो जाने पर किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी।

यूपी में दीपावली की दो दिन की छुट्टी, 31 अक्टूबर और एक नवंबर को अवकाश लेकिन शर्तों के साथ

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 31 अक्टूबर, 2024 से 1 नवंबर 2024 तक दीपावली का अवकाश घोषित किया है। सरकार ने 1 नवंबर 2024 को, जो दीपावली के अगले दिन है, सार्वजनिक अवकाश की घोषणा तो की है, लेकिन इस अवकाश के साथ एक शर्त भी रखी गई है। आदेश के अनुसार, 1 नवंबर को छुट्टी तो होगी, लेकिन इसके बदले 9 नवंबर को सरकारी दफ्तर सामान्य दिनों की तरह खुले रहेंगे। प्रदेश सरकार के विभिन्न कार्यालय और माध्यमिक स्कूल एक नवंबर को बंद रहेंगे। योगी सरकार के इस एलान के बाद कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले हो गई है, क्योंकि कई दफ्तर में शनिवार और रविवार की छुट्टी रहती है। इससे सीधे चार दिन की छुट्टी का लत्फ उठाने को मिलेगा।

धनतेरस, दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक अभिनन्दन
BJP
अनिल ताटे
माजी अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी काशीमीरा मंडल

"स्वच्छ जल से ही स्वस्थ जीवन"
सस्ते एवं उचित दर पर, आपकी सेवा में समर्पित, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।
Purnima Services
All Type of Water Purifier Sales & Services
दिवाली स्पेशल ऑफर
Ro Water Filter - Only 8500/-
Free Free Free
दिवाली स्पेशल ऑफर
बिमारियो से बचे...
शुध्द पानी पिये....
8655185584
Shop No. 7, Gr. Floor, Prerna Tower, Diva - Shil Road, Diva (E) - 400612

धनतेरस, दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक अभिनन्दन
नरेन्द्र सोनी
(पत्रकार)
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक)

दिपावली, गोबर्धन पूजा व छठपूजा के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं
हंसू कुमार पाण्डेय
मा. सभापति/ गट नेता मीरा भाईंदर मनपा
145, विधानसभा मीरा भायंदर

धनतेरस, दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
रफीक जि. खान
(पत्रकार)
बोईसर, पालघर, महाराष्ट्र

धनतेरस, दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक अभिनन्दन
मां विंध्यवासिनी मंदिर सेवा ट्रस्ट (सायन कोलीवाड़ा म्हाडा कालोनी)
भरत भाई शुक्ला
अध्यक्ष
श्रीमती मंजु भरत भाई शुक्ला
महिला मंडल अध्यक्ष

धनतेरस, दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक अभिनन्दन
के. आर. मिश्र
चेयरमैन
ओडेसी कोआपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि.
वरिष्ठ समाज सेवी: वडाला, महाराष्ट्र

मुंबई दादर वेस्ट में फ्लिपकार्ट कंपनी के प्रभारी संतोष ने बूधवार को अपने सभी सहयोगियों को दिपावली का गिफ्ट देकर शुभकामनाएं दी। छाया: उत्तरशक्ति

धनतेरस, दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक अभिनन्दन
राहुल कमलाकर पाटिल
शिवसेना शाखा प्रमुख
वार्ड क्रमांक 14, काशीमीरा, मीरा भायंदर

धनतेरस, दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामना
डा. बाबूलाल सिंह
समाज सेवी
डा. सचिन सिंह
समाज सेवी
मुलुंड, मुंबई (महाराष्ट्र)

धनतेरस, दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक अभिनन्दन
डा. राजेन्द्र कुमावत
(चिराना)
वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी व ब्लॉक नोडल अधिकारी उदयपुरवाटी
समाज के प्रति समर्पित, आयुर्वेद को आगे बढ़ाने वाले अनुभवी, प्रचार-प्रसार में अग्रणीय व कर्मनिष्ठावान चिकित्सक
मो.- 9829483955

धनतेरस, दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक अभिनन्दन
तारकेश्वर पाण्डेय
पत्रकार: उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक, मुंबई
मीरा भायंदर

धनतेरस, दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक अभिनन्दन
एम के एफ गारमेंट
की तरफ से समस्त देश वासीयों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रो. प्रा. शिबु अंसारी
सायन कोली वाडा, धारावी, मुंबई

धनतेरस, दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक अभिनन्दन
सी.पी. प्रजापति
(सेवानिवृत्त-उप प्रबंधक एमटीएनएल)
सह संपादक
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिकि)
नवीं मुंबई
* पूर्व विशेष कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र शासन
* संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष: प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.
* राष्ट्रीय महासचिव: अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार संघ रजि.
* जिला अध्यक्ष रायगढ़: अपना पूर्वांचल महासंघ रजि.
* संस्थापक अध्यक्ष: नार्थ इंडियन सोशल फाउंडेशन नवी मुंबई

धनतेरस, दीपावली व छठ पूजा के अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक अभिनन्दन
श्री दुर्गामाता हिन्दी हायस्कूल
SADHANA JR. COLLEGE ARTS, SCIENCE & COMMERCE
SADHANA D.Ed. COLLEGE (Marathi),
SADHANA B.Ed. COLLEGE
R.S. Mishra
(Chairman)
B.A.B.Ed. & M.A. (IN Education/English)
सी.पी. तलाव, रोड नं. 28 नियर जी.आर. कम्पनी वागले स्टेट ठाणे, मो.-9819290001